हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, बुधवार 27 मई 2026

तापमान
अधिकतम 44.7 डिग्री
न्यूनतम 28.0 डिग्री

14 मेंटेनेंस के नाम पर नेहरू सांस्कृतिक भवन ...

15 धान परिवहन में प्रशासनिक लापरवाही का खामियाजा...

खबर संक्षेप

बाइक चोर पुलिस की गिरफ्त में

भिलाई। बाइक चोरी करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। छावनी पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर सोनिया गांधी नगर निवासी सलीम मलिक को पकड़ा गया। उसके पास से पुलिस ने पावर हाउस ओव्हरब्रिज के नीचे से बाइक सीजी 07 बीई 6696 और एक बाइक जब्त किया गया है।

आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले धरे गए

भिलाई। सोशल मीडिया के इंस्टाग्राम में रौब झाड़ते हुए, दबंगई दिखाने वाले युवकों को पुलिस ने धारदार हथियार के साथ आपत्तिजनक पोस्ट करने पर गिरफ्तार किया है। रानीतराई पुलिस ने बताया कि ग्राम औसर रानीतराई निवासी तुलाराम गायकवाड़,गुलशन भारती को पकड़ा गया। पूछताछ करने पर दोनों युवकों ने स्वीकार किया कि इंस्टाग्राम में पोस्ट कर दबंगई दिखा रहे थे। युवकों को न्यायालय प्रस्तुत कर जेल भेजा गया। आरोपियों से इंस्टाग्राम पोस्ट से जुड़े मोबाइल फोन,डिजिटल साक्ष्य बरामद किया गया है। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील किया है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक, भय उत्पन्न करने वाली, कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाली पोस्ट साझा न करें। उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

निर्माणाधीन बिल्डिंग में मिला युवक का शव

भिलाई। मंगलवार को दक्षिण गंगोत्री क्षेत्र के निर्माणाधीन बिल्डिंग में एक युवक का शव संदिग्ध अवस्था में मिला है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है। सुपेला पुलिस ने बताया कि भीम नगर निवासी संजय मनहारे के रूप में शव का शिनाख्त हुआ है। युवक की उम्र 30 वर्ष बताई गई है। संजय निर्माणाधीन बिल्डिंग में में काम करता था। लोगों ने उसका शव बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर में पड़ा देखा। पुलिस को सूचना मिलने पर शव को पीएम के लिए भेज कर परिजनों को खबर दी। बताया जा रहा है कि मृतक संजय लंबे समय से नशे का आदी था। मौत का कारण पीएम के बाद ही पता चल पाएगा। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले में जांच शुरू कर दी है। आसपास के लोगों से मृतक युवक के बारे में पूछताछ की जा रही है। कारणों का अब तक खुलासा नहीं हो पाया है।

अनियमितता : टेंडर प्रक्रिया कर एजेंसी भी तय कर ली, लेकिन कार्यआदेश अब तक जारी नहीं

शासन से मंजूरी मिली नहीं और शुरू कर दिया 45 लाख के तालाब गहरीकरण व सौंदर्यीकरण का काम

महापौर अलका बाघमार ने कार्य स्थल का किया निरीक्षण, काम तेजी से पूरा करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

नगर निगम दुर्ग के वार्ड-17 और 18 की सीमा में स्थित शक्तिनगर तालाब के गहरीकरण और सौंदर्यीकरण के नाम पर बड़ी अनियमितता सामने आई है। राज्य शासन से बिना स्वीकृति मिले ही काम शुरू कर दिया गया है। करीब 45 लाख रुपए के इस काम में तालााब का गहरीकरण, पिंचिंग और दो से तीन घाट का निर्माण किया जाना है।

खास बात यह है कि तालाब के पानी को खाली कराया गया है। इसकी वजह से आसपास के क्षेत्रों में भीषण जलसंकट के हालात निर्मित हो गए हैं। वॉटर लेवल एकदम से नीचे चला गया है। स्थानीय लोगों द्वारा लगातार इसे लेकर शिकायत भी की जा रही है, लेकिन समस्या का निराकरण नहीं हो पाया है। इस बीच अनियमितता के इस मामले में कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल और नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले ने राज्य शासन से इस पूरे मामले की शिकायत करने की बात कही है। इधर मंगलवार को महापौर अल्का बाघमार और लोककर्म प्रभारी देवनारायण चंद्राकर ने निगम के अधिकारियों के साथ स्थल का निरीक्षण किया। काम को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि शक्ति नगर तालाब के संरक्षण एवं जल संरचना को मजबूत बनाने के उद्देश्य से तालाब गहरीकरण एवं पिचिंग कार्य कराया जा रहा है। आगामी बारिश को देखते हुए स्वीकृति की प्रत्याशा पर टेंडर प्रक्रिया की गई है।

शक्तिनगर तालाब का काम तेजी से किया जा रहा, 15 दिन में पूरा करने की तैयारी

45 लाख रुपए के इस काम में वर्तमान में कार्य लगातार प्रगति पर है तथा निगम प्रशासन द्वारा गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। महापौर अल्का बाघमार, लोककर्म प्रभारी देवनारायण चंद्राकर ने स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने आगामी 15 से 20 दिनों के भीतर कार्य को पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। कार्य पूर्ण होने के बाद क्षेत्र में जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा तथा तालाब की संरचना अधिक मजबूत और सुरक्षित होगी। महापौर ने अधिकारियों को गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने और समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर में आधारभूत सुविधाओं के विकास के साथ-साथ जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। तालाबों का संरक्षण आने वाले समय में जल संकट से निपटने के लिए महत्वपूर्ण कदम है। लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने कहा निगम प्रशासन द्वारा स्वीकृत कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने का प्रयास किया जा रहा है।

जानिए क्या है शक्तिनगर तालाब का पूरा मामला

जानकारी के मुताबिक करीब महीनेभर पहले तालाब का सौंदर्यीकरण, गहरीकरण, पिचिंग और घाट निर्माण को लेकर कार्ययोजना तैयार की गई। इसके बाद इस तालाब का पूरा पानी खाली करा दिया गया। आनन-फानन में काम भी शुरू कर दिया गया। इस बीच निगम ने टेंडर की प्रक्रिया पूरी की। राजाराम साहू नामक कार्यएजेंसी को काम लोवेस्ट रेट के आधार पर मौखिक रूप से काम शुरू करने के निर्देश भी जारी कर दिए गए। करीब 15 दिन पहले एजेंसी ने काम भी शुरू कर दिया। अगले 15 से 20 दिनों के भीतर कार्य को पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बता दें कि इस मामले में वर्कऑर्डर तक जारी नहीं किया गया है, लेकिन कार्य एजेंसी ने काम शुरू कर दिया है। इस मामले में गड़बड़ी की आशंका को लेकर पिछले दिनों कांग्रेस ने विरोध भी दर्ज कराया था। बावजूद प्रशासन के नााक के नीचे यह कार्य बदस्तूर जारी है।

शासन से स्वीकृति की प्रत्याशा पर कराया जा रहा गहरीकरण का काम

“ शासन से स्वीकृति की प्रत्याशा पर यह कार्य कराया जा रहा है। टेंडर की प्रक्रिया नियमत: कर कार्य एजेंसी निर्धारित की गई है। इसमें कुछ भी गलत नहीं है।

-विनीता वर्मा, ईई नगर निगम दुर्ग

यह सीधे तौर पर नियम विरुद्ध और घोटाला

“ यह सीधे तौरर पर नियम विरुद्ध है। घोटाला किया जा रहा है। यह पूरी तरह से गलत है। बिना शासन से स्वीकृति के आप कैसे टेंडर और अन्य प्रक्रिया कर सकते हैं। आप सही हैं तो कार्य आदेश क्यों जारी नहीं हुआ। इसकी शिकायत राज्य शासन से की जाएगी।

-संजय कोहले, नेता प्रतिपक्ष नगर निगम दुर्ग

बीएसपी से स्क्रैप कॉपर चोरी करनेवाला गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

■ आरोपी के पास से 210 किलोग्राम कॉपर मिला

बीएसपी से स्क्रैप कॉपर पार करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। भठ्ठी पुलिस ने बताया कि स्टेशन मरोदा बी.आर.पी. कॉलोनी वार्ड 16 निवासी नेमचंद यादव अपने दोस्तों के साथ संयंत्र परिसर में अवैध रूप से प्रवेश कर 210 किलोग्राम स्क्रैप कॉपर चोरी करने की सूचना सीआईएसएफ ने पुलिस को दी। जांच में नेमचंद यादव को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

पूछताछ में आरोपी ने अपने दोस्तों के साथ वाहन सीजी 07 बीएफ 9243 में स्क्रैप कॉपर लोड कर चोरी कर ले जाना स्वीकार किया। आरोपी को सीआईएसएफ ने मौके पर पकड़ा गया था। आरोपी के कब्जे से स्क्रैप कॉपर और सीजी 07 बीएफ 9243 को जब्त किया है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस है। कार्रवाई में थाना प्रभारी भठ्ठी प्रकाश कांत समेत उनकी टीम का योगदान रहा है।

ट्यूबवेल से कॉपर वायर चोरी करने वाले पांच गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

■ खेत और ग्राम पंचायत का 225 मीटर कॉपर वायर का मामला

खेत और ग्राम पंचायत के ट्यूबवेल से कॉपर चोरी करने वाला पांच लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अंजोरा चौकी प्रभारी चंद्रशेखर सोनी ने पुलिस ने बताया कि ग्राम चांगोरी निवासी तुलसीराम देशमुख ने शिकायत किया था कि उनके खेत में लगे ट्यूबवेल से 100 मीटर कॉपर वायर चोरी हो गया। पुलिस ने जांच करना शुरू किया, जिसमें संदेह के आधार पर आरोपी चंदू लोहार, वासु यादव, शंकर को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि कॉपर वायर को चोरी कर रायपुर निवासी सहल उद्दीन को बेचा है। सहल उद्दीन के पास से 100 मीटर कॉपर वायर की कीमत 15 हजार रुपये का बरामद किया गया है। इसके अलावा सरपंच ग्राम अंजोरा में भी ग्राम पंचायत के पास तालाब स्थित ट्यूबवेल से 90 मीटर कॉपर वायर पार हो गया था। जिसे आरोपियों ने रायपुर मौदहापारा निवासी जय नारायण को बेचना बताया है। जय नारायण के पास से 90 मीटर कॉपर वायर 12 हजार का जब्त किया गया है। ग्राम पीछेकर क्षेत्र में तीन अलग-अलग स्थानों पर ट्यूबवेल से भी कॉपर वायर चोरी हुआ था। आरोपियों के पास से 35 मीटर जब्त किया गया।

कोसी रिसॉर्ट में फेक मैरिज पार्टी में विवाद, मैनेजर के खिलाफ कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

■ पुलिस की समझाइश पर विवाद हुआ शांत

कोसी एरो क्लब एंड रिसॉर्ट में फेक मैरिज पार्टी का समारोह चल रहा था। इस दौरान विवाद उत्पन्न होने पर पुलिस ने मैनेजर के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई किया है। जेवरा सिरसा पुलिस ने बताया कि कोसी रिसोर्ट में फेक मैरिज पार्टी का आयोजन किया गया था। फेक मैरिज को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी जताई थी। ग्रामीणों ने इसे लेकर आपत्ति जताया था और आरोप था कि आयोजन से हिंदू धर्म के विवाह संस्कार का अपमान होगा। जिससे क्षेत्र में तनाव और विवाद की स्थिति बन गई थी। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची ग्रामीणों एवं कोसी रिसोर्ट के मैनेजर ब्रम्हदत्त पांडे के बीच वाद-विवाद की स्थिति बन रही थी। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा जा रहा था लेकिन विवाद नियंत्रित नहीं हो रहा था। फेक मैरिज में अपराध होने का संदेह भी जताया गया था। पुलिस ने शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कोसी रिसोर्ट के मैनेजर के खिलाफ धारा 170 बीएनएसएस के तहत जुर्म दर्ज कर एसडीएम न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। चौकी प्रभारी के पठारे ने बताया कि फेक मैरिज पार्टी को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश था, शिकायत के बाद मैनेजर के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की।

कलेक्टर की जांच से पहले ही ठेकेदार ने उखाड़ दी घटिया सड़क, इंजीनियर सैंपल लेकर लौटे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

भिलाई नगर निगम अंतर्गत 22 में अवैध प्लॉटिंग करने वालों को जमीन का अच्छा रेट देने के लिए बनाई गई जंगल में लाखों की सड़क बनने के तीन दिन बाद ही उखड़ने लगी। इस सड़क की गुणवत्ता को देखकर महापौर नीरज पाल ने इंजीनियर्स के खिलाफ कार्रवाई के साथ ही कलेक्टर से मांग की वो इसकी जांच करवाएं और ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करें, लेकिन इंजीनियर ने कलेक्टर की जांच टीम बनने से पहले ही सड़क को उखड़वा दिया। इंजीनियर ने ठेकेदार से घटिया बेस को नहीं उखड़वाया। मंगलवार को कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देश पर पीडब्ल्यूडी विभाग की टीम मौके पर जांच करने पहुंची तो उन्हें सड़क उखड़ी मिली। इसके बाद उन्होंने वहां से डामर और गिट्टी का सैंपल कलेक्टर किया और लौट गए। जोन 2 वैशाली नगर क्षेत्र में 15वें वित्त आयोग से 78 लाख 30 हजार की लागत से सड़क डामरीकरण का काम ठेकेदार शशांक जैन को दिया गया था। उसके द्वारा बनाई गई सड़क में बीएम वर्क होने के तीन दिन बाद ही सड़क में गिट्टी उखड़कर इधर उधर बिखरने लगी। महापौर सूचना मिलते ही 18 मई दोपहर मौके पर पहुंचे। जब उन्होंने डामरीकरण हुई सड़क को देखा तो आग बबूला हो गए। उन्होंने इंजीनियर को जमकर फटकार लगाई और नोटशीट में दुर्ग कलेक्टर को लिखा कि वो इसकी एक टीम बनाकर जांच करवाएं और एजेंसी को ब्लैकलिस्ट करें। महापौर ने साफ कहा कि उनके निर्देश के बाद भी निगम के उप अभियंता अशोक देवांगन एवं सहायक अभियंता श्वेता वर्मा नहीं पहुंचे, जबकि इस घटिया सड़क निर्माण के लिए सबसे अधिक वही जिम्मेदार हैं। इधर महापौर और आयुक्त की खींचतान का फायदा उठाते हुए उप अभियंता अशोक देवांगन और सहायक अभियंता श्वेता वर्मा ने ठेकेदार शशांक जैन से घटिया सड़क को उखडवाकर घटिया डामर को वहां से हटवा दिया।

गड़बड़ी करने वाले ठेकेदार को फिर मौका

महापौर नीरज पाल का कहना है कि यह सड़क अगस्त 2025 तक बन जानी थी। ठेकेदार ने गुणवत्ताहीन सड़क बनाई इसे लेकर कलेक्टर दुर्ग से टीम बनाकर जांच करने और ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने की मांग की गई थी। घटिया निर्माण को छिपाने और ठेकेदार को बचाने के लिए रातोंरात सड़क को उखाड़ दिया गया। जिससे ठेकेदार को फिर से भ्रष्टाचार करने का मौका मिल सके।

उच्चाधिकारियों के निर्देश पर होगी कार्रवाई

मामला कलेक्टर और आयुक्त भिलाई निगम के पास है। जैसा उनके द्वारा मुझे निर्देश दिया जाएगा, उसके मुताबिक संबंधित ठेकेदार या अन्य के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

-येशा लहरे, जोन कमिश्नर, जोन 2, भिलाई नगर निगम

नौतपा का दूसरा दिन

सुबह धूप-छांव, दोपहर से शाम तक चली लू, पारा एक डिग्री नीचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

मंगलवार की सुबह मौसम अजीबोगरीब हो गया। सुबह धूप व छांव की आंखमिचौली होती रही। आसमान पर बदली भी छाने लगी। ऐसा लगने लगा कि बारिश हो सकती है। उसके बाद फिर तेज धूप निकली जो दोपहर से लेकर शाम तक बनी रही। मौसम के इस बदलाव की वजह से तापमान में हल्की से कमी आई। सोमवार को पारा 45 डिग्री सेल्सियस पार चला गया था वह घटकर 44.7 डिग्री सेल्सियस पर आ पहुंचा। जो सामान्य से 1.7 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 1.7 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। मौसम विभाग ने बुधवार को तापमान में बढ़ोतरी होने और ग्रीष्मलहर का एलर्ट जारी किया है।

ऐसा चल रहा सिनोप्टिक सिस्टम

मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण बिहार और आसपास के इलाकों में समुद्र तल से 1.5 किलोमीटर ऊपर तक फैला चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। उत्तर-दक्षिण द्रोणिका दक्षिण बिहार से लेकर झारखंड और आंतरिक ओडिशा से होते हुए उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश तक फैला समुद्र तल से 1.5 किलोमीटर ऊपर तक बना हुआ है। पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी और आसपास के इलाकों में समुद्र तल से 3.1 से 7.6 किलोमीटर ऊपर तक फैला चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।

खबर संक्षेप

बीएसपी में ग्रुप इंटरेक्शन कार्यक्रम

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग द्वारा गैर-कार्यपालक कर्मचारियों हेतु लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन (एलजीआई) कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण अभियान 15 मई तक मानव संसाधन विभाग में होगा। 5879 कर्मचारियों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान भिलाई इस्पात संयंत्र एवं अन्य इकाइयों में घटित दुर्घटनाओं के कारणों, उनसे प्राप्त सीख एवं दुर्घटना निवारण उपायों पर चर्चा की गई।वर्क एट हाइट, परमिट टू वर्क सिस्टम, टूल बॉक्स टॉक, नियर मिस रिपोर्टिंग तथा रोड सेफ्टी आदि विषयों पर जानकारी दी गई। प्रत दुर्घटना रोकथाम के लिए आवश्यक सावधानियों के प्रति जागरूक किया गया। मुख्य महाप्रबंधक (सुर देवदत्त सतपथी व सहायक प्रबंधक अजय टल्लू आदि अधिकारी उपस्थित थे।

रामभद्राचार्य ने संपूर्ण जीवन सनातन संस्कृति को किया समर्पित

दुर्ग। कांग्रेस और भाजपा में जगद्गुरु

रामभद्राचार्य को लेकर जुबानी जंग का दौर जारी है। उन्हें लेकर पिछले दिनों कांग्रेस नेता चरणदास महंत ने भी टिप्पणी की थी। इसे लेकर भाजपा प्रवक्ता नितेश साहू ने कहा कि रामभद्राचार्य सनातन धर्म, संत समाज और हिंदू आस्थाओं को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। कांग्रेस नेता का बयान निंदनीय है। अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस की मानसिकता शुरू से ही सनातन धर्म, संत समाज और हिंदू आस्थाओं के विरोध की रही है। कभी भगवान श्रीराम को काल्पनिक बताया जाता है, कभी रामसेतु के अस्तित्व पर सवाल खड़े किए जाते हैं और अब संत समाज का अपमान किया जा रहा है। यह केवल एक संत का नहीं बल्कि करोड़ों सनातन धर्मावलंबियों की भावनाओं का अपमान है।

महंगाई डायन खाए जात है... कांग्रेस भवन में सरकार के विरोध में गूंजा गीत

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

कांग्रेस ने बढ़ती महंगाई के विरोध में मंगलवार को राजीव भवन में अनोखा प्रदर्शन किया। इस दौरान लोक गायक खुमान सिंह यादव, सहयोगी कलाकार संतोष निषाद, पवन यादव, संजय खरे की संगत में मशहूर गीत महंगाई डायन खाए जात है... पर कांग्रेसी कार्यकर्ता जमकर थिरकते नजर आए। उन्होंने बढ़ती महंगाई को लेकर विरोध दर्ज कराया। भाजपा सरकार के खिलाफ व्यंग्यात्मक सांस्कृतिक प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि महंगाई ने आम जनता की कमर तोड़ दी है। पेट्रोल-डीजल एवं दैनिक उपयोग की वस्तुओं के बढ़ते दाम से सभी हलाकान और परेशान हैं। कार्यकर्ताओं ने चौपाल शैली में गीत, संगीत और नारों के माध्यम से बढ़ती महंगाई के खिलाफ आवाज बुलंद की। प्रदर्शन के दौरान पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस, खाद्य तेल, दाल, सब्जी एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं के लगातार बढ़ते दामों को लेकर केंद्र सरकार की नीतियों की तीखी आलोचना की गई। राकेश ठाकुर ने कहा कि पेट्रोल-डीजल के दामों में लगातार वृद्धि के कारण परिवहन महंगा हुआ है, जिसका सीधा असर खाने-पीने की वस्तुओं सहित हर जरूरत की चीज पर पड़ रहा है। रसोई गैस के बढ़ते दामों ने महिलाओं के घरेलू बजट को पूरी तरह बिगाड़ दिया है। भाजपा सरकार बड़े उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने में लगी हुई है, जबकि गरीब, किसान, मजदूर और आम आदमी लगातार आर्थिक बोझ झेलने को मजबूर है। इस अवसर पर विक्रांत अग्रवाल, राजीव गुप्ता, राम सूर्यवंशी, पुरुषोत्तम तिवारी, प्रकाश ठाकुर, जामवंत गजपाल, पवन पटेल, लोचन यादव,ज्वाला प्रसाद साहू, श्यामाचरण मनहर, शमसीर कुरैशी, संतलाल बंजारे, विसाल देशमुख, श्रीमति लक्ष्मी साहू, योगिता चंद्राकर, रज्जाक खाना, पालेश्वर ठाकुर सहित अन्य मौजूद थे।

लोक गायक खुमान सिंह यादव और उनके सहयोगी कलाकारों ने दी प्रस्तुति

केंद्र की विफलताओं को पहुंचाएंगे जनता तक

आने वाले दिनों में जिला, ब्लॉक, पंचायत एवं ग्राम स्तर तक कांग्रेस कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों और विफलताओं को जनता के बीच पहुंचाएंगे। बैठक में खाद एवं बीज की कमी से किसानों को हो रही परेशानियों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए सरकार की कार्यप्रणाली की आलोचना की गई। साथ ही जनपद पंचायत पाटन क्षेत्र क्रमांक 4 में होने वाले उपचुनाव को लेकर संगठनात्मक तैयारियों एवं रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

विविध संगठन भीषण गर्मी में स्कूलों के हाल और खुले में कर रहे आयोजन

मेंटेनेंस के नाम पर नेहरू सांस्कृतिक भवन सालभर से बंद, कहां जाएं कलाकार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

प्रदेश के सबसे बड़े और अनूठे आडिटोरियम बीएसपी के नेहरु सांस्कृतिक भवन के अब तक संधारण नहीं होने और सालभर से बंद होने का खामियाजा रंगमंच और विभिन्न सांस्कृतिक संगठनों के नाटकों और सांस्कृतिक आदि आयोजनों के लिए भुगतना पड़ रहा है। कलाकार भीषण गर्मी में खुले परिसरों और स्कूलों आदि के तंग सभागारों में कार्यक्रम करने मजबूर हो रहे हैं। इस मामले में बीएसपी के विभागीय अधिकारी उदासीन बने हुए हैं। सांस्कृतिक संस्थाओं ने प्रबंधन से नेहरु भवन के जल्द रिनोवेशन कर खुलवाने की मांग की है।

उल्लेखनीय है कि साठ साल पुराना बीएसपी का सेक्टर 1 स्थित नेहरु सांस्कृतिक भवन मेंटेनेंस के नाम पर पिछले एक साल से अधिक समय से बंद पड़ा है। कई बड़े आयोजनों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रमुख केंद्र रहा करीब एक हजार सिटिंग क्षमता वाला यह प्रसिद्ध आडिटोरियम टूट फूट की हालत में है। यहां पिछले छह दशकों से दो दर्जन नाट्य संगठनों के राष्ट्रीय व बीएसपी स्तर की नाट्य स्पर्धाओं, नाटकों सहित विभिन्न संस्थाओं के विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ साल से यह भवन सालों पुराना होने से टूटफूट के चलते सालभर सें बीएसपी नें संधारण के लिए इसमें ताला जड़ रखा है। संगठनों व कलाकार लंबे समय से इसके रिनोवेशन की मांग कर रहे हैं। लेकिन अब तक संधारण किया गया है और न ही भवन का ताला ही खोला गया है। इसकी कीमत आग उगलती गर्मी में विभिन्न संगठनों को स्कूलों, निजी भवनों और खुले परिसरों में नाटक आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम करने पड़ रहे हैं।

पूर्व पीएम राजीव गांधी व रामविलास पासवान के हो चुके हैं कार्यक्रम

भीषण गर्मी में खुले में आयोजन

इस दौरान आयोजकों व प्रतिभागियों व दर्शकों को होने वाली परेशानी का सहज अंदाज लगाया जा सकता है। पिछले 27 दिन से इप्टा का बाल नाट्य शिविर नेहरुभवन के खुले परिसर में सुबह 7 से 12 बजे तक चला। पहली बार शिविर का समापन समारोह भिलाई विद्यालय के छोटे हाल में आयोजित करना पड़ रहा है। इसमें सौ से अधिक बच्चे शामिल हुए। इस दौरान कलाकारों व पालकों ने विभागीय अधिकारियों से जल्द नेहरु भवन मेंटनेंस व खुलवाने का आग्रह भी किया। अब सभी को आश्वासन की समयसीमा का इंतजार है। कलाकारों ने बताया कि बीएसपी द्वारा एक के बाद एक सांस्कृतिक आयोजनों से हाथ खींचने के बाद इसके मुख्य स्थल नेहरु भवन को ही बंद कर देना पचास साल तक कला संस्कृति को बढ़ावा देने वाले बीएसपी प्रबंधन के लिए विचारणीय है। जल्द ही डायरेक्टर इंचार्ज से मिलकर नाट्य व अन्य सामाजिक सांस्कृतिक संगठन जल्द रिनोवेट करने की मांग करेंगे।

प्रदेश में इकलौता था रिवाल्विंग स्टेज

शहर ही नहीं छत्तीसगढ़ के सबसे भव्य , पुराने और अपनी तरह के अनूठे नेहरु भवन आडिटोरियम का रंगमंच व लोकमंच आयोजनों सहित स्कूलों और विभिन्न संगठनों के सांस्कृकि, सामाजिक, राजनीतिक और बीएसपी के समारोहों के आयोजनों का प्रमुख केंद्र रहा है। यहां देश के नामचीन कलाकारों के कार्यक्रम सहित भिलाई महिला समाज के स्थापना दिवस समारोह, व स्कूलों के वार्षिकोत्सव बीएसपी की नाट्य स्पर्धाएं व दर्जनभर नाट्य संगठनों के नाट्योत्सव आदि होते रहे हैं। यहां 1984 में बतौर कांग्रेस महासचिव राजीव गांधी व बाद इस्पात मंत्री रामविलास पासवान का भव्य कार्यक्रम व बीएसपी नेहरु पुरस्कार समारोह होता रहा है। लेकिन अब आयोजनों के लिए आयोजकों को गर्मी व बारिश में भारी परेशानी हो रही है। कलाकारों ने बताया कि नेहरु भवन एकमात्र ऐसे आडिटोरियम था जिसमे स्टेज रिवाल्विंग व साउंड को इको होने से रोकने के लिए अंदर दीवारों में मजबूत प्लाइनुमा प्लेटें लगी लगाई गई थीं। स्टेज का परदा भी आटोमेटिक उठने वाला था। यहां 900 दर्शक सीटें हैं। ग्रीनरुप, टायलेट वाशरुम आदि सुविधाएं थीं। लेकिन बीएसपी ने पांच साल पूर्व स्टेज को समतल कर रिवालिंग सिस्टम को निकाल दिया। अब स्टेज की आवाज इको होती रहती है। भवन भी बाहर से जर्जर हो चुका है।

भिलाई तीन और कुम्हारी में चला चेकिंग अभियान पकड़े गए संदिग्ध लोग

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

अपराधियों को नकेल कसने के लिए भिलाई तीन और कुम्हारी थाना क्षेत्र में कानून व्यवस्था बेहतर करने के लिए संदिग्धों का

- अटल आवास परिसरों में पुलिस पहुंची
- बिना नंबर प्लेट वाहनों संदिग्ध भी मिले

शिनाख्त करने, असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस टीम चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के तहत उम्दा अटल आवास, कुम्हारी क्षेत्र अंतर्गत 320 अटल आवास में सघन चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान बिना नंबर प्लेट की बाइक संदिग्ध व्यक्तियों,आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों की जांच की गई। कार्रवाई के दौरान आरोपी प्रगति नगर चरोदा निवासी शेक शहीद को धारदार हथियार के साथ पकड़ा गया।

इसके अतिरिक्त दो अन्य संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ कर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। अभियान में भिलाई तीन, जामुल, वैशाली नगर, कुम्हारी, एएनटीएफ, डीएसबी, एसीसीयू समेत लगभग 60 अधिकारियों, कर्मियों का बल शामिल रहा। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील किया है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि, अवैध हथियार, असामाजिक तत्वों की सूचना मिलने पर तुरंत पुलिस को बताए। जिससे कानून व्यवस्था भंग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई हो सके।

पार्षद के अवैध निर्माण को निगम ने तोड़ा

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के जोन-2 वैशाली नगर क्षेत्रांतर्गत अवैध अतिक्रमण के खिलाफ निगम प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की गई। निगम की संयुक्त टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी के माध्यम से रोड एवं रास्ते की भूमि पर किए जा रहे अवैध निर्माण को हटाया। खास बात यह है कि पार्षद द्वारा ही यहां पर अवैध कब्जे कर निर्माण करवाया जा रहा था। निगम से प्राप्त जानकारी के अनुसार एन. संतोषी एवं एन. शैलजा पति एन. धनराजु, निवासी राजीव आवास निवासी कोहका कैलाश नगर कुरूद भिलाई द्वारा प्लाट खसरा नंबर 1606/109 एवं 1606/110 में बिना भवन अनुज्ञा के रोड एवं रास्ते की भूमि पर अवैध निर्माण कार्य कराया जा रहा था। एन शैलेजा पार्षद हैं। इस मामले की शिकायत के बाद राजस्व विभाग द्वारा जांच करवाई गई थी। उसके बाद कब्जे हटाने कहा गया था लेकिन संबंधितों द्वारा कोई समाधानकारक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। जिसके बाद आज जोन-2 राजस्व विभाग, बेदखली टीम एवं पुलिस बल की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी की सहायता से अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। निगम अधिकारियों ने बताया कि शहर में अवैध अतिक्रमण एवं बिना अनुमति निर्माण के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

- बिना अनुज्ञा रोड व रास्ते की जमीन पर था निर्माण

जवाहर मार्केट में सड़क पर सामान फैलाने वाले 26 व्यापारियों पर जुर्माना

भिलाई। नगर निगम ने मंगलवार को पावर हाउस जवाहर

मार्केट क्षेत्र में यातायात को बाधित करने वाले और दुकान के बाहर सामान निकालकर व्यवसाय करने वाले दुकानदारों के खिलाफ कड़ी चालानी कार्रवाई की। निगम आयुक्त को लगातार शिकायत प्राप्त हो रही थी । निगम की टीम ने कार्रवाई करते हुए ऐसे 26 व्यापारियों पर अर्थदंड लगाया, जिनसे कुल 13,000 रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। कार्रवाई के दौरान निगम प्रशासन द्वारा सभी व्यापारियों को सख्त हिदायत दी गई है कि वे अपनी दुकानों का सामान सीमा के भीतर ही रखें। किसी भी परिस्थिति में नाली के बाहर या सड़क पर सामान न फैलाएं। नाली को छोड़कर ही दुकान लगाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि बाजार में आने वाले नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो और यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से बनी रहे। जवाहर मार्केट शहर का एक प्रमुख व्यावसायिक केंद्र है। सभी व्यापारी निगम का सहयोग करें और स्वेच्छा से सड़कों व नालियों को अतिक्रमण मुक्त रखें।

लंबित मामलों का निराकरण 24 राशन दुकानें निरस्त

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

जिले की 24 राशन दुकानों का संचालन लंबे समय से अटैचमेंट में चल रहा था। कोर्ट में प्रकरण लंबित होने के कारण इन दुकानों के संचालन के लिए नई समितियों का निर्धारण नहीं हो पा रहा था। कोर्ट से प्रकरणों के निराकरण के बाद इन सारी दुकानों का आवंटन निरस्त कर दिया गया है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2016 की कंडिका 16 के तहत यह कार्यवाही की गई है। निरस्त दुकान-महिला स्व सहायता समूह, संगवारी खाद्य सुरक्षा पोषण एवं उप सेवा सह समिति, नवीन महिला स्व सहायता समूह, शंकरा महिला स्व सहायता समूह, जय शक्ति महिला स्व सहायता समूह, जय श्री कृष्ण महिला स्व सहायता समूह, दुर्ग सहकारी विपणन समिति, कृषक सेवा सहकारी समिति कोहका, जय सदाराम महिला स्व सहायता समूह, मां अन्नपूर्णा स्व सहायता समूह, सामुदायिक विकास समिति भिलाई, एकता महिला स्व सहायता समूह, सामुदायिक विकास समिति भिलाई, बीएसपी प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भण्डार, सहकारी उपभोक्ता भण्डार भिलाई, विन्ध्यवासिनी महिला स्व सहायता समूह, नवीन प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भण्डार, स्टील नगर महिला स्व सहायता समूह, मं जय भवानी महिला स्व सहायता समूह, इस्पात कर्मचारी कन्ज्यूमर कोआपरेटिव स्टोर्स भिलाई, सामुदायिक विकास समिति रविदास नगर भिलाई, संतोषी महिला स्व सहायता समूह, भूतपूर्व सैनिक कल्याण संघ केम्प 1 भिलाई और प्रेरणा महिला स्व सहायता समूह शामिल हैं। शासकीय उचित मूल्य दुकानों के संचालन के लिए आवेदन केवल संबंधित वार्ड की स्थानीय संस्था द्वारा ही आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। 15 जून तक आवेदन किया जा सकता है।

खाद्य नियंत्रक अनुराग सिंह भदौरिया ने बताया कि पूर्व में लंबित मामलों के निराकरण के बाद ही दुकानों के आवंटन को निरस्त किया गया है। नए का निर्धारित गाइडलाइन के अनुरूप आवंटन किया जाएगा।

अंडा में बना बिजली का नया सब स्टेशन, 38 गांवों में होगी सप्लाई

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी निरंतर और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विस्तार किया जा रहा है। इसी कड़ी में अंडा में लगभग 30 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत से 132/33 केवी के नए उपकेन्द्र का निर्माण किया गया है। इसकी क्षमता 80 एमवीए है। उपकेंद्र को ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला ने बटन दबाकर ऊर्जीकृत किया। दुर्ग जिले के 38 से अधिक गांवों के विद्युत उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता की बिजली मिल सकेगी।

शुक्ला ने कहा कि प्रदेश के पारेषण नेटवर्क को मजबूत बनाने का कार्य योजनाबद्ध तरीके से किया जा रहा है। इसी के तहत ग्राम अंडा में 132/33 केवी के नए उपकेंद्र की स्थापना की गई है। जिसमें 40 एमवीए के दो पॉवर ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं। इस उपकेंद्र से 33 केवी के 5 नये फीडरों के माध्यम से सुचारु रुप से बिजली सप्लाई की जाएगी। इस उपकेंद्र के निर्माण से मुख्य रुप से अंडा, विनायकपुर, चंद्रखुरी, तिरगाझोला, कुथरेल, हनोदा, अंजोरा, मोहंदीपाट, निकुम, आलबरस, सकरौद, खप्परवाड़ा, रिसामा, चिंगरी, परसदा, ओटेबंद एवं देवरी सहित लगभग 38 ग्रामों को लाभ मिलेगा। इस निर्माण से अंडा और उसके आसपास के उद्योगों, कृशि क्षेत्र एवं घरेलू उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूण विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा। इसके अतिरिक्त उक्त कार्य से 132 केवी उपकेंद्र पुलगांव एवं इरागुड़ा का भार कम होगा और उन्हें बड़ी राहत मिलेगी, जिसके परिणामस्वरुप दुर्ग षहर को भी अतिरिक्त बिजली की सप्लाई सुनिष्चित होगी। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक दुर्ग क्षेत्र संजय खंडेलवाल, कार्यपालक निदेशक केएस मनोटिया, मुख्य अभियंता अब्राहम वर्गीस, प्रसन्ना गोस्वामी एवं संजय तिवारी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता राजेश तिवारी, अधीक्षण अभियंता एसके भूआर्य, आरके मिश्रा, कार्यपालन अभियंता छगन शर्मा, डीके भारती एवं सिद्धार्थ भवसार सहित कंपनी के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। विभाग की इस बड़ी उपलब्धि से दुर्ग जिले के उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता की विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होने के साथ ही औद्योगिक और कृषि विकास को भी एक नई गति मिलेगी।

एक चौथाई हिस्से को पाटकर तार-जाली से घेर दिया

नगपुरा निस्तारी तालाब ठेठवार डबरी चढ़ा अवैध कब्जे की भेंट

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

ग्राम नगपुरा में नगपुरा-बोरई मार्ग पर स्थित निस्तारी तालाब ठेठवार डबरी का लगभग एक चौथाई भाग भू माफियाओं ने अवैध कब्जा कर पटवा दिया गया है। जिससे लोगों को और जानवरों के लिए गंभीर पेयजल संकट की समस्या हो रही है। उतना ही नहीं मलमा से पटवाने के कारण जानवरों को तालाब में उतरना-चढ़ना भी मुश्किल हो रहा है।

- पंचनामा में हुई इसकी पुष्टि

भीषण गर्मी की वजह से यह तालाब सूख चुका है लेकिन बारिश के दिनों में इस तालाब में भरपूर पानी एकत्र होता है। जिससे ग्रामीणों को बेहद मदद मिलती है। बस स्टैंड नगपुरा से बोरई रोड पर स्थित पुराना निस्तारी तालाब ठेठवार डबरी है। जिसका पटवारी हल्का नंबर 3 है। जिसका खसरा नंबर 1828 एवं पुराने रिकार्ड के अनुसार रकबा 1.13 हेक्टेयर है। वर्तमान में इस तालाब के लगभग एक चौथाई भाग पर पूर्व सरपंच के पुत्र ने पटवाकर जालीतार से घेरा लगवा कर अवैध कब्जा कर लिया है।

ग्रामीणों की शिकायत पर सीमांकन में कब्जा उजागर

तालाब में कब्जे की शिकायत जिला प्रशासन से ग्रामीणों ने की । इस स्थिति को देखते हुए ग्राम पंचायत नगपुरा व्दारा शासकीय ठेठवार डबरी का सीमांकन करवाने का आवेदन नायब तहसीलदार को दिया। 21 मई 2026 को इस तालाब के सीमांकन करने का आदेश तहसीलदार व्दारा आरआई को दिया गया। किंतु आरआई व्दारा सीमांकन करने के बाद भी लोगों को संतुष्ट नहीं किया गया कि वास्तविक में पूर्व सरपंच के पुत्र के व्दारा तालाब के हिस्से का कितना जमीन अवैध रूप के काबिज किया गया है। सीमांकन के दौरान तालाब के चारों ओर के किसानों सहित कब्जेदार को सूचना दी गई थी लेकिन वह सीमांकन के दौरान उपस्थित नहीं हुआ। आरआई ने गांव के संबंधित किसानों एवं ग्राम पंचायत के उपसरपंच एवं पंचों की उपस्थिति में सीमांकन किया।

रजिस्ट्री भी करवा ली गई कब्जे की जमीन

ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से उस अवैध रूप से काबिज शासकीय घास जमीन की निष्पक्ष जांच कर अवैध पाए जाने पर रजिस्ट्री रद्द करने की मांग कलेक्टर से की है। अवैध कब्जे मामले में सरपंच ने भी आपत्ति जताई है। इस जमीन के सीमांकन के लिए भी पंचायत व्दारा तहसीलदार को आवेदन दिया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि बेशरीमती मेन रोड से लगे शासकीय घास जमीन का रजिस्ट्री किस आधार पर किया गया है। यदि शासकीय जमीन का रजिस्ट्री हुआ है तो वह नाजायज है। इसलिए उसे निरस्त करने की मांग करते हुए ग्रामीणों कलेक्टर से निष्पक्ष जांच की मांग की है, जिससे बेशकीमती शासकीय जमीन को बिचौलियों से बचाया जा सके।

बीएसपी में मॉकड्रिल

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा विगत दिनों में रोल टर्निंग शॉप (आरटीएस) विभाग के फोर्जिंग एवं ब्रेजिंग सेक्शन में संभावित कोक ओवन गैस रिसाव आपदा की स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। कोक ओवन गैस रिसाव की काल्पनिक आपात स्थिति निर्मित की गई, जिसके माध्यम से कर्मचारियों एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों ने नियंत्रित परिस्थितियों में समन्वित बचाव एवं सुरक्षा उपायों का अभ्यास किया। अग्निशमन सेवा विभाग से अतिरिक्त मुख्य अग्निशमन अधिकारी संजय धवस, विजय देवांगन, एसके पाण्डेय, सुरक्षा के आर साहू, सहायक महाप्रबंधक सुनील शुक्ला आदि शामिल हुए।

खबर संक्षेप

शिविर में बताई समस्याएं

जामुल। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत नगर पालिका जामुल के वार्ड क्र. 16 मंगल भवन में वार्ड क्र. 16, 17, 18 के लिए जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन मंगलवार को किया गया जिसमें आम लोगों ने 334 आवेदन प्रस्तुत किये जिसमें 290 मांग एवं 44 शिकायत से संबंधित था। आवेदन संबंधित विभागों को भेजा गया। पात्र 3 हितग्राही को प्रधानमंत्री आवास की भवन अनुज्ञा प्रदान की गई।

निधन

सईदा बेगम

भिलाई। वैशाली नगर एलआईजी-73 निवासी सईदा बेगम (94) का

इंतकाल हो गया। आंध्र प्रदेश के नगरम (डॉ. बी.आर. अंबेडकर कोनासीमा जिला) स्थित मूल निवास में उन्हें 27 मई को सुपुर्दे खाक किया जाएगा। वे गुलाम असकरी, मिर्जा फजले अली, गुलाम हैदर, रफत बानों की मां और सैयद नईम हुसैन की सास व फोटो जर्नलिस्ट नजीर हुसैन की छोटी बुआ थीं।

रूपनारायण सिन्हा

जामगांव आर। कुम्हली निवासी छत्तीसगढ़ योग आयोग अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा केबिनेट मंत्री

दर्जा प्राप्त का निधन हो गया। उनके रायपुर निवास कबीर नगर, रायपुर निवास से 27 मई को सुबह 8 बजे से 10 बजे तक दर्शन पश्चात अंतिम यात्रा कबीर नगर निवास से मुक्तिधाम के लिए प्रस्थान करेगी। वे नीरज सिन्हा, लोकेश सिन्हा के पिता थे।

मिलर के दबाव में प्रशासन कर रहा प्रबंधकों से अन्याय, आरोप

धान परिवहन में प्रशासनिक लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे समिति प्रबंधक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धमधा

समिति प्रबंधकों ने जताई आपत्ति, अब एफआईआर की कार्रवाई शुरू

धान खरीदी के बाद समय पर परिवहन नहीं होने से अब सेवा सहकारी समितियों के प्रबंधकों पर कार्रवाई की तलवार लटकने लगी है। धमधा विकासखंड की 38 सेवा सहकारी समितियों में वर्ष 2025-26 के दौरान किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की गई थी। खरीदी का कार्य 15 नवंबर 2025 से शुरू होकर 31 जनवरी 2026 तक चला, लेकिन खरीदी के महीनों बाद भी कई समितियों से धान का पूर्ण परिवहन नहीं हो पाया है।

समिति प्रबंधकों का आरोप है कि प्रशासन की लचर परिवहन व्यवस्था के कारण धान लंबे समय तक खुले में पड़ा रहा, जिससे भीषण गर्मी और लगातार मौसम के प्रभाव के चलते धान में अत्यधिक सूखत एवं खराबी आई। अब इसी नुकसान की भरपाई के लिए प्रशासन द्वारा समिति प्रबंधकों और कर्मचारियों पर कार्रवाई की जा रही है।

प्रबंधकों ने आरोप लगाया कि परिवहन व्यवस्था लगभग एक माह तक पूरी तरह ठप रही और आज तक कई समितियों का धान पूरी तरह नहीं उठ पाया है। इसके बावजूद प्रशासन अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाय समिति कर्मचारियों पर दबाव बनाकर नुकसान की भरपाई कराने का प्रयास कर रहा है।

जानकारी के अनुसार सेवा सहकारी समिति कोड़ियां के प्रबंधक रियाज खान के खिलाफ एफआईआर की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। इसी प्रकार अन्य समितियों के प्रबंधकों पर भी सूखत से हुए नुकसान की भरपाई करने का दबाव बनाया जा रहा है। प्रबंधकों का कहना है कि धान का सूखत और खराब होना परिवहन में देरी के कारण हुआ है, जिसकी जिम्मेदारी परिवहन व्यवस्था और संबंधित विभागीय अधिकारियों की है, न कि समिति प्रबंधकों की।

प्रबंधकों का कहना है कि एक-एक समिति में 30 से 40 लाख रुपए तक की सूखत सामने आ रही है। यदि पूरे ब्लॉक का आंकलन किया जाए तो यह राशि करोड़ों में पहुंच सकती है। प्रबंधकों ने जिला विपणन अधिकारी राहुल कुमार, जिला खाद्य नियंत्रक अनुराग भदौरिया, उपपंजीयक सहकारी संस्था सतीश कुमार पाटले और जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के सीईओ सुनील वर्मा सहित संबंधित अधिकारियों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है।

समिति प्रबंधकों ने इस कार्रवाई का विरोध करते हुए कहा कि प्रशासन अपनी विफलता छिपाने के लिए उन्हें "बलि का बकरा" बना रहा है। उन्होंने मांग की है कि पहले परिवहन व्यवस्था में हुई देरी और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए, उसके बाद ही किसी प्रकार की कार्रवाई की जाए। मामले को लेकर कई प्रबंधकों ने न्यायालय की शरण लेने की बात कही है।

छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने पूर्व में धान उठाव में देरी और सूखत की समस्या को गंभीर मानते हुए शासन को समय पर धान परिवहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। प्रबंधकों का कहना है कि लंबे समय तक भंडारण और परिवहन में देरी के कारण हुई सूखत को केवल समिति प्रबंधकों की लापरवाही मानना उचित नहीं है।

रियाज खान, प्रबंधक सेवा सहकारी समिति कोड़ियां ने आरोप लगाया कि उच्च अधिकारियों द्वारा गुप्त बैठकों में धान शॉर्टेज कम करने का दबाव बनाया गया। मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हुए घर बेचकर भरपाई करने और एफआईआर करने की धमकी दी गई थी। उन्होंने कहा कि अब उनके खिलाफ एफआईआर करने का आदेश भी जारी कर दिया गया है, जो सरासर अन्याय है। उनका आरोप है कि उच्च अधिकारी संबंधित मिलरों पर कार्रवाई करने के बजाय समिति प्रबंधकों को ही निशाना बना रहे हैं।

अजय ताम्रकार, प्रबंधक सेवा सहकारी समिति धमधा ने कहा कि समिति धमधा में किशोर शॉर्टेक्स समोदा द्वारा धान उठाव के लिए डीओ लगभग चार माह पूर्व ही जारी करवा लिया गया था, लेकिन आज तक केंद्र से धान का उठाव नहीं किया गया। ऐसे में भीषण गर्मी के कारण धान में लगातार सूखत बढ़ रही है, वजन कम हो रहा है और धान खराब भी हो रहा है। इसके बावजूद प्रशासन समिति प्रबंधकों पर दबाव बना रहा है, जबकि पूरी गलती संबंधित मिलर और परिवहन व्यवस्था की है जिन्होंने समय पर धान परिवहन नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि जिम्मेदार मिलरों पर किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जा रही है, जबकि समिति प्रबंधकों को प्रताड़ित किया जा रहा है।

चंद्रशेखर साहू, प्रबंधक सेवा सहकारी समिति बरहापुर ने कहा कि जिला से आने वाले अधिकारी पहले से ही यह धारणा बनाकर जांच कर रहे हैं कि पूरी जिम्मेदारी प्रबंधकों पर डाली जाए, जबकि वास्तविक कारण परिवहन में हुई देरी है।

अर्जुन पेड़ों की कटाई धड़ल्ले से जारी, वन विभाग मौन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाटन

पाटन क्षेत्र में इन दिनों हरे-भरे पेड़ों की अवैध कटाई खुलेआम जारी है, लेकिन जिम्मेदार वन विभाग के अधिकारी आंख मूंदे बैठे हुए हैं। मटिया से तेलीगुड़ा जाने वाली सड़क किनारे खेतों में अर्जुन (कौहा) पेड़ों की अवैध कटाई धड़ल्ले से की जा रही है। लकड़ी कोचियों द्वारा डीजल मशीन लगाकर पेड़ों को काटा जा रहा है, वहीं वन विभाग की टीम कहीं नजर नहीं आ रही है।

जब हरिभूमि की टीम मौके पर पहुंची तो कटाई कर रहे लोग मशीन छोड़कर इधर-उधर जाने लगे। पहले खुद को मजदूर बताकर मामला दबाने की कोशिश की गई, लेकिन पूछताछ में पूरा खेल सामने आने लगा। खेत मालिक के पहुंचने के बाद जानकारी मिली कि चार बड़े पेड़ों को काटने का सौदा करीब पांच हजार रुपये में किया गया है। वहीं कटाई करने वाले लोग यह भी कहते नजर आए कि लकड़ी पाटन क्षेत्र के आरा मिलों में खपाई जाएगी।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर वन विभाग के अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं है या फिर जानबूझकर कार्रवाई नहीं की जा रही है? स्थानीय लोगों का आरोप है कि लकड़ी कोचिया, आरा मिल संचालक और कुछ अधिकारी मिलकर लंबे समय से यह अवैध कारोबार चला रहे हैं। यही कारण है कि पाटन और आसपास के आरा मिलों में कभी बड़ी कार्रवाई देखने को नहीं मिलती।

क्षेत्र में इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है और तापमान 43 डिग्री के पार पहुंच चुका है। ऐसे समय में हरे-भरे पेड़ों की अंधाधुंध कटाई पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है। पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि लगातार पेड़ कटने से ही मौसम का संतुलन बिगड़ रहा है और तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। यदि समय रहते अवैध कटाई पर रोक नहीं लगी तो आने वाले वर्षों में हालात और भयावह हो सकते हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि सुबह से शाम तक लकड़ियों की लोडिंग होती रहती है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई के बजाय चुप्पी साधे बैठे हैं। सवाल यह भी उठ रहा है कि जब खुलेआम मशीनों से पेड़ काटे जा रहे हैं तो वन विभाग की गश्त आखिर कहां है? क्या विभाग को केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित रहना है? लोगों ने मांग की है कि पाटन क्षेत्र के सभी आरा मिलों में तत्काल छापेमार कार्रवाई की जाए, अवैध लकड़ी जब्त की जाए और पेड़ कटाई में शामिल लोगों के साथ-साथ लापरवाह अधिकारियों पर भी सख्त कार्रवाई हो। यदि प्रशासन अब भी नहीं जागा तो पर्यावरण को होने वाला नुकसान आने वाले समय में बड़ी मुसीबत बन सकता है।

कार्रवाई करेंगे

मुखबिर लगाए गए हैं, जैसे गाड़ी में लोड करते हैं हमारी टीम तुरत पकड़ेगी। तेलीगुडा में अवैध लकड़ी कटाई की जानकारी मिली है, तुरंत कार्रवाई करेंगे।
डीपी वर्मा, रेंजर दुर्ग

बिजनेस साइट

ओशो पब्लिक स्कूल सुपेला में प्रवेश शुरू

भिलाई। ओशो पब्लिक स्कूल, सुपेला भिलाई में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नर्सरी से 8वीं तक प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। विद्यालय में अंग्रेजी माध्यम एवं सीजीबीएसई बोर्ड के अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाती है। स्कूल के डायरेक्टर रमाकांत तिवारी ने बताया कि विद्यालय का उद्देश्य बच्चों को बेहतर शिक्षा के साथ अनुशासन, आत्मविश्वास और नैतिक मूल्यों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि अनुभवी शिक्षकों, स्मार्ट लर्निंग वातावरण और व्यक्तिगत ध्यान के माध्यम से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास किया जाता है। नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत 16 जून से होगी तथा अभिभावकों से शीघ्र प्रवेश लेने की अपील की गई है।

देव संस्कृति महाविद्यालय में साप्ताहिक संकाय संवर्धन कार्यक्रम

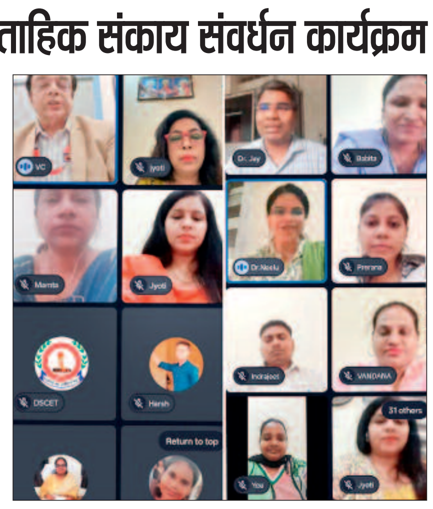

भिलाई। देव संस्कृति कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड टेक्नोलॉजी खपरी दुर्ग में साप्ताहिक संकाय संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से संपन्न हुआ। जिसका विषय गुणात्मक एवं मिश्रित विधि अनुसंधानथा। कार्यक्रम के प्रथम दिन उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि कलिंगा युनिवर्सिटी नया रायपुर कुलपति प्रोफेसर आर श्रीधर साथ ही रिसोर्स पर्सन के रूप में पं. रविशंकर शुक्ल युनिवर्सिटी रायपुर सहायक प्राध्यापक साइकोलॉजी डॉ. रोली तिवारी उपस्थित थी। कार्यक्रम का प्रारंभ महाविद्यालय की संचालिका डॉ. ज्योति शर्मा के स्वागत उद्बोधन से हुआ। जिसमें अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डाला। प्रोफेसर श्रीधर ने शोध की गुणवत्ता एवं शोध नैतिकता के महत्व पर प्रकाश डाला एवं प्रतिभागियों को शोध के प्रति गंभीर वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया। प्रथम व द्वितीय दिवस के शैक्षणिक सत्र में डॉ. रोली तिवारी द्वारा गुणात्मक अनुसंधान परिप्रेक्ष्य में तथा एथनोग्राफी व केस स्टडी के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के तीसरे व चौथे दिवस के सत्र में डॉ. दिव्या शर्मा विभागाध्यक्ष एवं सहायक प्राध्यापक (शिक्षा) विप्र कला वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय मुख्य वक्ता थी। उन्होंने अपने व्याख्यान में आधार सामग्री विश्लेषण द्वारा बने सिद्धांत तथा गुणात्मक सिद्धांत में नैतिकता विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के पांचवें व छठे दिवस के सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. जय सिंह एसोसिएट प्रोफेसर मनोविज्ञान विभाग अलहाबाद विश्वविद्यालय उपस्थित थे। अंतिम सत्र में समापन समारोह के लिए विशेष अतिथि हेमचंद विश्वविद्यालय छात्र कल्याण डीन डॉ. नीलू श्रीवास्तव उपस्थित थी। उन्होंने साप्ताहिक संकाय संवर्धन कार्यक्रम की अनुशंसा करते हुए सभी अतिथियों, प्रतिभागियों व महाविद्यालय परिवार को बधाई दी। इस कार्यक्रम के सफल संचालन में अध्यक्ष डॉ. ज्योति दुबे व समस्त प्राध्यापकों की भूमिका रही। महाविद्यालय के अध्यक्ष वासुदेव शर्मा, संचालिका डॉ. ज्योति शर्मा व प्राचार्य ममता दुबे ने कार्यक्रम की सफलता की सराहना की।

ओम ज्वेलर्स में आकर्षक उपहार एवं डिस्काउंट

दुर्ग। दुर्ग ओम ज्वैलर्स शहर के हृदय स्थल में स्थित इंदिरा मार्केट दुर्ग शॉप नंबर 64 b प्रिया सिंगर सदन के सामने ओम ज्वैलर्स अपने भाव शोरूम के लिए जाना माना है। जहां आपको अनगिनत डिजाइन देखने को मिलता है। श्री सोनी ने बताया सोने की बढ़ती हुई महंगाई को देखते हुए मासिक ई योजना चालू किए हैं जिसमें 1000 से लेकर आपके बजट तक हर महीना का किस्त जमा कर सकते हैं। 12 महीने की रेगुलर किस्त जमा होने पर आपको एक महीने की किस्त ज्वेलर्स के द्वारा दी जाती है। सोनी ने बताया कि पैसा लाने ले जाने का जोखिम को देखते हुए घर पहुंच सेवा उपलब्ध किया गया है जिसमें अपनी पसंद की डिजाइन को खरीद कर पेमेंट आप घर से भी कर सकते हैं। इसके अलावा टोटल ऑनलाइन, चेक, एटीएम, डेबिट कार्ड एक्सेप्ट किया जाता है। सोनी ने बताया कि पुराने गहने को बिल्कुल नया बनाये वो भी बिना वजन घटे। ज्वेलरी की रिपेयरिंग की तत्काल सुविधा उपलब्ध है आगे दिवाली, त्यौहार सीजन को देखते हुए नई-नई डिजाइनों की विस्तार रेंज उपलब्ध है जिसमें ग्राहक अपने मनपसंद डिजाइन बुकिंग कर पसंद की जेवर शुभ मुहूर्त पर ले जाएं। ओम ज्वेलर्स के संचालक ने बताया कि हमारे यहां टोटल 916 (22 कैरेट)833 (20कैरेट)एवं 750(18कैरेट) के टोटल हॉलमार्क गहने उपलब्ध है। जिसमें भारत सरकार के द्वारा 6 अंकों का डिजिट कोड एच यू आईडी अंकित किया मिलेगा पूरे शहर में सबसे कम दाम पर उपलब्ध हैं जिसमें 0% चांदी की मेकिंग चार्ज एवं सोने पर जितना सोना उतना चांदी फ्री एवं न्यूनतम मजदूरी दर के साथ ग्राहकों को उपलब्ध किया जाता है। शादी के गहने की खरीदी पर दूल्हा एवं दुल्हन को स्पेशल टूरिस्ट बैग, इंपॉर्टेंट वॉच, जीतना सोना उतना चांदी फ्री ओम ज्वेलर्स की तरफ से प्रदान किया जाता है। हमारी शॉप में हमेशा ग्राहकों का अच्छी भीड़ रहती है। नए-नए डिजाइनों का हमेशा कलेक्शन उपलब्ध रहती है इसलिए आपको हमेशा लेटेस्ट फ्रेश डिजाइन व नई वैरायटी उपलब्ध रहती है। आप एक बार शॉप अवश्य पधारे।

स्वच्छ नगर को साफ सुथरा बनाने ठोस कचरे के निपटारे पर दिया जोर

पाटन। नगर पंचायत कार्यालय में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 एवं सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में एक महत्वपूर्ण संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले, समस्त वार्ड पार्षदगण, मुख्य नगर पालिका अधिकारी हेमंत कुमार वर्मा,इंजिनियर प्रवीण कुमार साहू तथा स्वच्छता विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने बताया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश क्रमांक 6147/2023 के तहत वार्ड पार्षदों को अपने-अपने वार्डों में स्रोत स्तर पर कचरा पृथक्करण के प्रति जनजागरूकता एवं निगरानी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ नगर के निर्माण के लिए नागरिकों की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। बैठक में बताया गया कि शासन के निर्देशानुसार अब प्रत्येक परिवार एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठान को कचरे का पृथक्करण करना अनिवार्य होगा। मिश्रित कचरा रखने की अनुमति नहीं होगी तथा सभी नागरिकों को चार अलग-अलग रंग के डस्टबिन का उपयोग करना होगा।

उर्स में आपत्तिजनक हरकत पर आलिमों का सख्त एतराज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

- डीजे पर रोक लगाने और शरीयत के मुताबिक उर्स करने पर जोर

हजरत सैयद बाबा कुतुबे भिलाई के उर्स के मौके पर हुए अप्रिय और भौंडे प्रदर्शन के खिलाफ अंचल के तमाम मस्जिदों के इमाम और आलिमों ने सख्त एतराज जताया है। इस सिलसिले में दरगाह परिसर में हुई बैठक में सभी ने कुछ लोगों द्वारा की गई इस हरकत की निंदा की और आगे से उर्स में डीजे और तमाम गैर शरई कामों पर पूरी तरह रोक लगाने की बात कही गई। गौरतलब है कि उर्स के दौरान पिछले हफ्ते एक समूह की तरफ से निकाले गए संदल में भौंडे नृत्य प्रदर्शन से तमाम लोग सकते में आ गए थे। इसके बाद सभी ने इसकी निंदा की और ऐसी हरकतों पर रोक लगाने की मांग की। इसके बाद इस समूह ने भी अपनी गलती मानते हुए अवाम से सार्वजनिक तौर पर माफी मांगी है। इसी सिलसिले में 22 मई शनिवार सुबह 10 बजे, दारुल उलूम इस्लामिया कैंप -2 की इमामे आज़म लाइब्रेरी में उलमाए किराम की बैठक रखी गई थी। जिस में नाच गाने और बेहूदगी को रोकने के संबंध में विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। इसके बाद तमाम आलिमे दीन ने मज़ार पहुंच कर भिलाई-3 उर्स कमेटी और कमेटी के सदर रुस्तम खान से मुलाकात की। उर्स कमेटी की बातों को तफसील के साथ सुनने के बाद उलेमा ने कहा कि आइंदा इस तरह के गैर शरई कामों से उर्स और उर्स की तक़रीबात को पाक व साफ रखा जाए। खास कर डीजे, नाच गाने और मर्दों-औरतों के किसी तरह के प्रदर्शन पर पूरी तरह पाबंदी हो। उर्स कमेटी ने यकीन दिलाया कि आइंदा ऐसा नहीं होगा। गलत करने वालों को सख्ती के साथ रोका जाएगा और उर्स की तमाम रस्म शरीअत के मुताबिक़ ही अदा की जाएंगी। इस बैठक में मुफ्ती जलालुद्दीन रज़वी, मुफ्ती शाहिद अली मिस्बाही, मुफ्ती कलीम अश्रफ कादरी, मुफ्ती जामी कमर अज़हरी, मौलाना इक़बाल अंजुम अशरफी, मौलाना गुलाम मुहियुद्दीन रज़वी, मौलाना अमीर अहमद सालिम उल कादरी, कारी शमशीर अली अशरफी और अन्य लोगों ने भागीदारी दी।

तिरगा आबादी के अंधा मोड़ पर लगातार हो रहे हादसे

अण्डा। दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र के ग्राम तिरगा आबादी पारा में स्थित अंधा मोड़ लगातार सड़क हादसों का कारण बनता जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार इस मोड़ पर आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिससे लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। बताया जा रहा है कि लगभग हर 20 से 30 दिनों में यहां कोई न कोई एक्सीडेंट हो रहा है, लेकिन इसके बावजूद अब तक सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अंधा मोड़ होने के बावजूद यहां सही तरीके से सूचना बोर्ड या चेतावनी संकेत नहीं लगाए गए हैं। सड़क से गुजरने वाले वाहन चालक अचानक मोड़ आने के कारण नियंत्रण खो बैठते हैं, जिससे दुर्घटनाएं हो रही हैं। रात के समय यह मोड़ और अधिक खतरनाक हो जाता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि करीब 3 वर्ष पहले इस सड़क का निर्माण ओबेराय कंस्ट्रक्शन द्वारा कराया गया था, लेकिन अब सड़क जगह-जगह से दरार पड़ने लगी है। सड़क की खराब स्थिति भी हादसों की एक बड़ी वजह मानी जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर भी सवाल उठ रहे हैं। लगातार हो रही दुर्घटनाओं के बावजूद प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस पहल नजर नहीं आ रही है। ग्रामीणों में इस बात को लेकर चिंता बनी हुई है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधरी तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

आलबरस में अंतिम संस्कार सामग्री मिलेगी निःशुल्क

अंडा। ग्राम आलबरस गांव में सामाजिक सहयोग और मानव सेवा की अनूठी मिसाल देखने को मिल रही है। गांव में किसी भी परिवार में देहावसान जैसी दुखद परिस्थिति आने पर अंतिम संस्कार हेतु आवश्यक सामग्री निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। इस सेवा कार्य के अंतर्गत मिट्टी कार्यक्रम (अग्नि संस्कार) के लिए लकड़ी, छेना एवं एक शव वस्त्र का सहयोग किया जाएगा। यह पहल स्वर्गीय द्वारिका प्रसाद देशमुख (ग्राम पटेल) की स्मृति में यादोराम देशमुख द्वारा शुरू की गई है। गांव में लगाए गए सूचना बोर्ड के माध्यम से ग्रामीणों को इस सामाजिक सेवा की जानकारी दी जा रही है। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि दुख की घड़ी में इस प्रकार का सहयोग जरूरतमंद परिवारों के लिए बहुत बड़ी राहत साबित होगा। जरूरत पड़ने पर ग्रामीण सशस्त्र बल के जवान बीरेंद्र हरमुख व उसके सहयोगी जे. के. मराठी से संपर्क कर सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जामगांव आर
जिला-दुर्ग (छ.ग.)

शिक्षक आवश्यकता
(शिक्षा सत्र 2026/27)

चयन	पहले आओ पहले पाओ पद्धति
विषय	गणित, जीवविज्ञान, रसायन, भौतिक, सामाजिक विज्ञान अंग्रेजी, हिंदी, संगीत, खेल आदि
योग्यता	स्नातक/स्नातकोत्तर न्यूनतम द्वितीय श्रेणी
प्राथमिकता	संस्कारित, बीएड, अनुभवी
लाभ	प्रशिक्षू अवधि में कार्य व्यवहार कुशलता में खरे चयनित होने पर विशेष पात्रता सुविधा सेवानिवृति पर लाखों का फंड
विशेष	विद्यालय से प्राप्त फार्म भरकर संपूर्ण पेपर्स संलग्न कर व्यवस्थापक के पास प्रत्यक्ष जमा करे
अंतिम तिथि	10 जून 2026

संपर्क: प्राचार्य / व्यवस्थापक
07826 246704, 9406268237

न्यायालय-श्री जितेन्द्र कुमार सिंह, द्वितीय अपर मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, रायपुर छ.ग.

दावा फाइलिंग क्र.- 5940/2025
पेशी तारीख - 19/06/2026, प्रोसेस क्र. - 750/2026

दुष्यंत साहू ..... आवेदक

बनाम

जहांगीर वगैरह ..... अनावेदकगण

प्रति,

जहांगीर खान पिता-गुलाम रसूल खान निवासी- म.न.-124 कृष्णा नगर, वार्ड नं. 4 सुपेला भिलाई थाना- सुपेला थाना जिला- दुर्ग छ.ग.

आवेदकगण ने आपके विरूद्ध आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 166 धारा मोटरयान अधिनियम 1988 वास्ते क्षतिपूर्ति राशि रू. 10,40000/-(अक्षरी-दस लाख चालीस हजार रूपये) प्राप्त किये जाने हेतु संस्थित किया है। आपसे इस अधिकरण में पेशी तारीख- 19/06/2026 को 11.00 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये नोटिस किया जाता है।आप इस अधिकरण में स्वयं या ऐसे किसी वकील (प्लीडर) द्वारा उपस्थित हो जिसे तत्संबंध में अनुदेश दिये गये हों और जो प्रकरण से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन सब दस्तावेजों को जो आपके कब्जे या शक्ति में है, पेश करें। जिन पर आपको प्रतिरक्षा या मुजराई दावा या दावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे में हो या अपनी प्रतिरक्षा मुजराई का दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसे दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर वर्णित की गई तारीख को इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।

नोट :- यदि किसी कारणवश पेशी तिथि को अवकाश हो जाता है या कार्य स्थगित हो जाता है या पीठासीन अधिकारी अवकाश पर हो तो प्रकरण की सुनवाई अगले कार्य दिवस पर की जायेगी।

यह आज तारीख 25/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई है।

मुहर

(जितेन्द्र कुमार सिंह)
द्वितीय अति. मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण रायपुर (छ.ग.)

वाहन की टक्कर से सूचक बोर्ड गिरा, गाड़ी पुलगांव थाना में

अण्डा। दुर्ग से बालोद रोड में बस स्टेशन चंदखुरी-पीछेगांव फोर लाइन रोड पर

एक वाहन की टक्कर से सूचक बोर्ड डिवाइडर के बीचों-बीच गिर गया। घटना के बाद मार्ग पर कुछ समय तक आवागमन प्रभावित रहा। जानकारी के अनुसार टक्कर मारने वाले वाहन को पुलगांव थाना ले जाया गया है। मामले की जांच जारी है। स्थानीय लोगों ने सड़क पर गिरे बोर्ड को जल्द हटाने की मांग की है, ताकि दुर्घटना की संभावना न रहे।

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN

Piles Care Clinic
Unit of Dr Abhimanyu's Pain Relief Center

9 सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
9 सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003

लेडिस डॉक्टर उपलब्ध

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

श्रद्धांजलि सभा

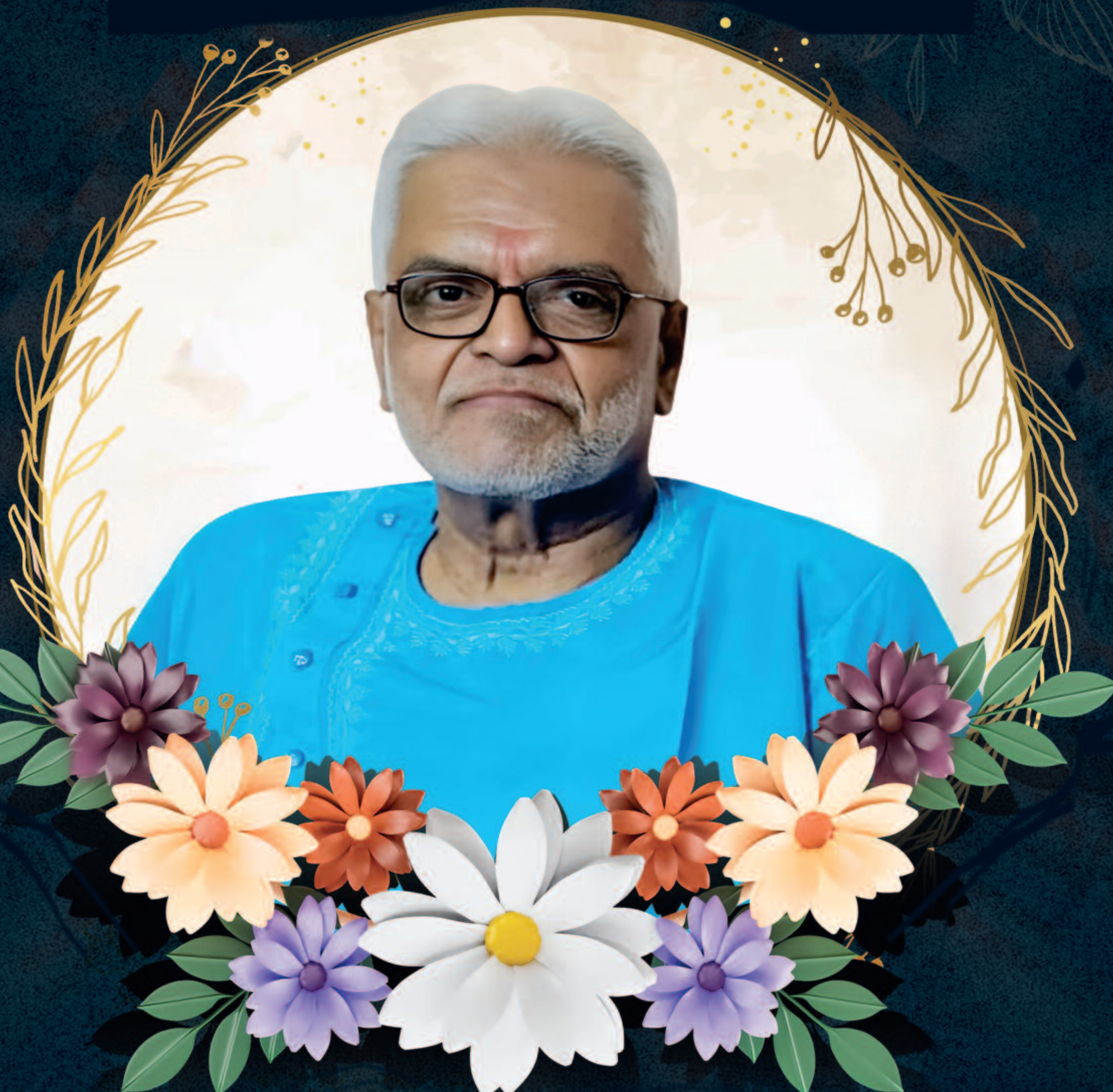

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि
मेरे बड़े भाई **स्वर्गीय दिनेश सेन जी**
का निधन 17 मई 2026 को हो गया है।

उनकी पावन स्मृति में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन रखा गया है।

दिनांक : 27 मई 2026 (बुधवार)
समय : शाम 6:00 बजे से 7:00 बजे तक
स्थान : लोकांगन परिसर, वैशाली नगर, भिलाई

नोट : मैंने किसी प्रकार का अलग शोक पत्र नहीं बनवाया है। आप सभी से विनम्र निवेदन है कि इसे ही शोक पत्र मानकर 27 मई 2026 को श्रद्धांजलि सभा में शामिल होकर मेरे बड़े भाई स्व. दिनेश सेन जी को श्रद्धांजलि अर्पित करें।

रिकेश सेन (विधायक, वैशाली नगर विधानसभा)

हरिभूमि लाइव

रायपुर, बुधवार 27 मई 2026

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

0788- 4091720, Message at 7747020002, 9755819129

लाइव इवेंट

श्रीराम कथा के छठवें दिन भरत-मिलाप और शबरी के प्रेम में डूबे श्रद्धालु

भिलाई। प्रगति नगर कैंप-1 स्थित श्रीराम जानकी मंदिर परिसर में आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा महोत्सव के छठवें दिन कथावाचक द्वारा भरत मिलाप और शबरी के प्रेम का विस्तार पूर्वक व्याख्या किया गया। अयोध्या धाम से आये कथा वाचक नरेंद्र रामदास महाराज ने अपने प्रवचनों के माध्यम से रामकथा के गूढ़ अर्थों को अत्यंत सरल और भावुक शैली में श्रोताओं के समक्ष रखा।

श्रीराम जानकी मंदिर, पानी टंकी के पास, वार्ड 30, प्रगति नगर, कैंप-1, भिलाई में आयोजित कथा का मुख्य आकर्षण भरत प्रसंग और शबरी चरित्र रहा। महाराज ने भरत के महान त्याग और भाई-प्रेम का सजीव चित्रण किया, जिसे सुनकर उपस्थित भक्त भाव-विभोर हो गए। वहीं, माता शबरी की अनन्य निष्ठा और प्रभु के प्रति उनके निश्छल समर्पण की कथा ने श्रद्धालुओं के मन में भक्ति का संचार किया। पंडाल में सियावर रामचंद्र की जय के जयघोष से वातावरण गुंजायमान रहा।

आयोजकों में प्रभुनाथ मिश्रा, छटीलाल मिश्रा, राजेश द्विवेदी और राजकुमार जायसवाल ने बताया कि स्थानीय निवासियों का सहयोग से यह आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि समाज में मर्यादा और संस्कार के बीज बोने का प्रयास है। राम कथा की कड़ी में बुधवार को हनुमत प्रसंग और प्रभु राम का राज्याभिषेक कथा के साथ कथा का समापन होगा। गुरुवार को हवन की पूर्णाहुति और विशाल भंडारे का आयोजन किया जायेगा। आयोजकों ने सभी धर्मप्रेमियों से कथा के अंतिम दिनों में सम्मिलित होकर पुण्य के भागी बनने अपील की है। यह कथा प्रतिदिन शाम 4 बजे से शाम 7 बजे तक की जा रही है। जिसे सुनने आसपास के साथ ही अन्य स्थानों से लोग पहुंच रहे है। कथा में मुख्य रूप से वार्ड पार्षद सत्यदेवी जायसवाल, सीमा तिवारी, भागचंद, निर्मला देणे, पुनीता शर्मा, रीना उपाध्याय, रूपा पटेल, सोमा शर्मा, सुषमा गुप्ता, उषा शर्मा, पूनम गुप्ता, सोनी, प्रिती गुप्ता कुसुम, नीलम, बिन्दु सोनी, अंजली जोशी सहित काफी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थिति थे।

लाइव इवेंट

जैन साधु-संतों की सुरक्षा के लिए एमपी में एसआईटी गठन का सकल समाज ने किया स्वागत

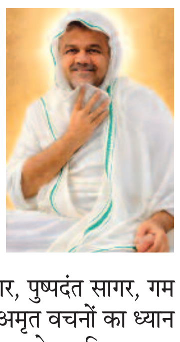

दुर्ग। क्रांतिकारी राष्ट्र संत संजय मुनि ने मध्य प्रदेश सरकार को जैन साधु संतों के बिहार यात्रा के अवसर पर मध्य प्रदेश सरकार द्वारा एसआईटी का गठन पर आभार व्यक्त किया है। इसका भिलाई-दुर्ग सकल जैन समाज ने भी स्वागत किया है। समाज के लोगों ने बताया कि सभी साधु-संतों के आव्हान पर आचार्य समय सागर, सुधा सागर, विशुद्ध सागर, प्रमाण सागर, सुनील सागर, पुष्पदंत सागर, गम सागर, सुयश सागर, ज्ञानमति माता के अमृत वचनों का ध्यान रखते हुए केंद्र सरकार और राज्य सरकार को समुचित सुरक्षा व्यवस्था का ध्यान रखते हुए कार्रवाई करनी चाहिए। विगत दिनों रीवा में दो साध्वियों को अज्ञात वाहन चालक ने चपेट में ले लिया था। दोनों का देव लोक गमन हो गया। साधु-संतों ने कहा कि देश में संतों की पूर्ण पूरी सुरक्षा मिलनी चाहिए। क्रांतिकारी राष्ट्र संत संजय मुनि के आव्हान पर मध्य प्रदेश में एसआईटी का गठन किया गया। इसके लिए मध्य प्रदेश सरकार आभार। आभार व्यक्त करने वालों में सकल जैन समाज से प्रदीप बाकलीवाल, अशोक पहाड़िया, धीरज बाकलीवाल, संदीप लोहाड़िया, नवीन संचेती सहित अन्य शामिल हैं।

गुरु अर्जनदेव जी की शहादत पर राहगीरों को पिलाई शरबत और बांटे चने

भिलाई। सिखों के पांचवें गुरु अर्जनदेव जी की शहादत को समर्पित करते हुए मंगलवार को मालवीय नगर चौक दुर्ग में वीरे ग्रुप के युवाओं ने सेवा दी। दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक चले अभियान में तपती धूप में निकलने वाले राहगीरों को ठंडा-मीठा पानी 'शबिल' और भीगे चने बांटकर गर्मी से राहत पहुंचाई गई। इस कार्य में रौनक सचदेव, अमन सागर, गुरलीन सिंग, सिमरणजीत सिंग, करण रेहल, रोहित गायकवाड़, हरदीप गिल, करण सिंग, रमन रेहल, गगनदीप, प्रदीप, पियूष सहित अन्य युवा साथी पूरे जोश के साथ जुटे रहे। कड़क धूप में अपने जरूरी काम से निकलने वाले दुर्ग-भिलाई के सैकड़ों रहवासियों ने शबिल पीकर गर्मी से राहत महसूस की। सेवा कर रहे युवाओं ने कहा कि गुरु अर्जनदेव ने मानवता के लिए अपना बलिदान दिया।

● इप्टा के नाट्य शिविर के समापन समारोह में थाली का बैंगन व भगवान भरोसे नाटकों का मंचन

नन्हे कलाकारों ने दिया जातीय व सामाजिक एकता का पैगाम

इप्टा भिलाई द्वारा भिलाई विद्यालय के सभागार में आयोजित बाल एवं तरुण नाट्य शिविर के दो दिवसीय समापन समारोह के अंतिम दिन आज मंगलवार को दो रोचक और संदेशपरक नाटकों का प्रभावी मंचन किया गया। नन्हे कलाकारों द्वारा दोनों प्रस्तुति में दर्शकों ने उनकी प्रतिभा और लगन को सराहा। नाटकों में सामाजिक सदभाव के पैगाम के साथ जाति, धर्म के नाम पर सियासी खुदगर्जी को उजागर किया गया।

भिलाई। राष्ट्रीय इप्टा के 83 वें स्थापना दिवस और जन संस्कृति दिवस पर बीस दिवसीय नाट्य प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन बच्चों द्वारा पहले नाटक थाली का बैंगन की प्रस्तुति दी गई। नाटक में जाति और मजहब के नाम पर समाज में बिगड़ते माहौल को दिखाया गया। अमन और भाईचारे का संदेश दिया गया। इप्टा के युवा रंगकर्मी चारु श्रीवास्तव निर्देशित इस नाटक में दिखाया गया कि एक दंपत्ति अपने नौकर को पैसे देकर सब्जी लाने बाजार भेजते हैं। लेकिन युवक सब्जी के पैसों को जुए में उड़ा देता है। याद दिलाने पर बाजार से बची रह गई बासी सब्जियां लेकर आ जाता है। रात में युवक को आलू में गणपति जैसी आकृति दिखने पर उसे इससे धर्म के नाम पर कमाई करने का विचार आता है। वह इसे भीड़ जुटाकर कमाई का जरिया बना लेता है लेकिन जब कम पैसे मिलते हैं तो वह बैंगन में ईसाई धर्म का प्रतीक चिन्ह बनाकर पैसे जुटाने लगता है। पर इसमें भी आशा के अनुरुप आय नहीं होने पर वह हिंदू धर्म का चिन्ह बनाकर लोगों को उल्लू बनाकर धंधा चमकाने का प्रयास करता है। इस दौरान उसे छुद्र स्वार्थ के लिए लोगों को फिजूल गुमराह करने की गलती का एहसास होता है और क्षमायाचना व भाईचारे के संदेश से नाटक का सुखद अंत होता है। नाटक में बच्चों ने अच्छा अभिनय कर पालकों और रंगकर्मियों आदि दर्शकों की तालियां बटोरीं। नाटक में रुपाली, अनुष्का, राजीव पलक शिवम कुणाल आदित्य बिलाल एकांश, तृषा, नवोलिता अनर्वेश,आदर्श व एकनाथ आदि बच्चों ने प्रभावी किरदार निभाए।

इंसान को रंग बदलते देख भगवान हैरान

समारोह की दूसरी प्रस्तुति नाटक भगवान भरोसे था। रोहित पाली व हर्ष के निर्देशकीय कौशल में मंचित इस नाटक में दिलचस्प ढंग बाल व किशोर कलाकारों अपने दिलचस्प अभिनय से बताया कि हमारे अराजक और कलुषित तरीके से नकारात्मक होते जा रहे समाज में यदि इंसान के रुप में भगवान घूमने आ जाएं तो आज की इन परिस्थियों को देख क्या सोचेंगे। नाटक में अलग अलग जाति को लाल, पीला और नीला रंग के रुप मे दिखाया गया। नाटक की कहानी कुछ इस तरह की थी कि भगवान धरती पर घूमकर देखते हैं कि किस तरह लोग हर तरफा आपस में जाति के नाम पर लड़ रहे हैं। बाजार से राजनीतिक गलियारे तक हर जगह जातीय विद्वेष और को लेकर विवाद हो रहा है। राजनीतिक लोग व बाबा बैरागी वोट बैंक व खुद के स्वार्थ के लिए जाति भेद की आग को हवा दे रहे हैं। बाजार व बाबाओं के ठीये पर गुमराह आम लोगों की भकटते देख भगवान यह सोचकर दुखी हो जाते हैं कि मैंने तो सभी को एक ही बनाया था लेकिन इंसान ने जाति के नाम पर खुद को ही नहीं बांटा बल्कि मुझे भी बांट दिया है। नाटक में दिलचस्प मोड़ तब आता है जब धर्म जाति के नाम पर दंगों के दौरान इंसान के भेष में समझाईश दे रहे भगवान को ही पकड़कर पुलिस जेल में डाल देती है। नाटक में निहारिका, निध2ि, मंयक, हर्ष, दिमिषा, साहिल,नीरज आदि ने अपने बेहतर किरदारों से लोगों हंसाने के साथ सोचने पर संजीदा भी किया। आरंभ में बीबी परगनिया व मणिमय मुखर्जी के संगीत निर्देशन में बच्चों ने जनगीतों प्रस्तुत किए।

शिविर में निखारी प्रतिभा

पूर्व में विशेष अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार रवि श्रीवास्तव, लोक बाबू, डॉ. कोमल सिंह सारवा, परमेश्वर वैष्णव व शरद कोकाश ने बच्चों की हौसला आफजाई की । इप्टा के राष्ट्रीय सचिव राजेश श्रीवास्तव ने कहा कि 5 जून से 24 मई तक आयोजित इप्टा के शिविर में सौ से अधिक बच्चों को इप्टा के युवा रंकर्मियों ने रंगमंच का प्रशिक्षण दिया। बच्चों में लगन के साथ पालकों ने भी रुचि दिखाई। उन्होंने बीएसपी प्रबंधन से सालभर से बंद नेहरु सांस्कृतिक सदन को जल्द मेंटेनेंस कर खुलवाने का आग्रह किया। इप्टा भिलाई के अध्यक्ष व शिविर समन्वयक निकिता कुमारी ने कहा कि बच्चों की लगन व युवा रंगकर्मियों के प्रयास से शिविर भीषण गर्मी में भी सफल रहा। नाट्य शिविर को सफल बनाने में इप्टा के राजेश श्रीवास्तव, मणिमय मुखर्जी, देवनारायण, सुचित्रा मुखर्जी रोशन घड़ेकर, नरेंद्र पटनारे,संदीप कोड़ापे ,संदीप गोयल,गौरी, हर्ष, शिवम चारु व वेणू आदि रंगकर्मियों का योगदान को सराहा गया। कार्यक्रम का संचालन अमित चौबे व चारु श्रीवास्तव और आभार प्रदर्शन रोहित रेड्डी ने किया। रिद्धिषा और सिद्धांत आदि बच्चों ने प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

रुंगटा यूनिवर्सिटी में शोध, रिसर्च पेपर अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक जर्नल ब्रेन डिसऑर्डर्स में प्रकाशित हुआ

कार्नर न्यूज

भिलाई। भूलने की बीमारी और अल्जाइमर जैसी गंभीर दिमागी समस्याओं के इलाज को लेकर भिलाई के वैज्ञानिकों ने एक महत्वपूर्ण रिसर्च की है। इस रिसर्च में सामने आया है कि चिरायता नामक औषधीय पौधा दिमाग की कमजोर होती याददाश्त को सुधारने में मददगार साबित हो सकता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि भविष्य में यह पौधा अल्जाइमर जैसी बीमारी के इलाज में बड़ी भूमिका निभा सकता है। यह रिसर्च रुंगटा कॉलेज ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च रुंगटा यूनिवर्सिटी में की गई। शोधकर्ता डॉ मुकेश शर्मा ने बताया कि, अल्जाइमर ऐसी बीमारी में व्यक्ति धीरे-धीरे चीजें भूलने लगता है। समय के साथ मरीज की सोचने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित होने लगती है। दुनिया भर में इस बीमारी के मरीज लगातार बढ़ रहे हैं और अब तक इसका पूरी तरह सफल इलाज उपलब्ध नहीं हो पाया है। यह रिसर्च पेपर अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक जर्नल ब्रेन डिसऑर्डर्स में प्रकाशित हुआ है। यह जर्नल विश्व प्रसिद्ध प्रकाशन संस्था एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

दिमागी बीमारियों पर बड़ा अध्ययन, याददाश्त बढ़ाने में असरदार साबित हुआ चिरायता का पौधा

चूहों पर किया गया परीक्षण

रिसर्च में बताया गया कि शरीर में बढ़ने वाला ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाता है। यही कारण याददाश्त कमजोर होने की बड़ी वजह माना जाता है। वैज्ञानिकों ने अपने अध्ययन में चूहों पर प्रयोग किया। इसके लिए एल्युमिनियम क्लोराइड नामक रसायन का उपयोग किया गया, जिससे चूहों में भूलने की समस्या पैदा हुई। इसके बाद कुछ चूहों को चिरायता के पौधे का अर्क अलग-अलग मात्रा में दिया गया। अध्ययन के दौरान वैज्ञानिकों ने कई व्यवहारिक परीक्षण किए। इन परीक्षणों में यह देखा गया कि चूहे नई चीजों को कितनी जल्दी पहचानते हैं और उनकी सीखने की क्षमता कितनी मजबूत है। रुंगटा यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर रिसर्च एंड डेवलपमेंट डॉ एजाजुद्दीन का भी इसमें विशेष मार्गदर्शन रहा।

सीखने की क्षमता हुई बेहतर

जिन चूहों को केवल एल्युमिनियम क्लोराइड दिया गया, उनकी याददाश्त कमजोर हो गई। वे नई वस्तुओं को पहचानने में कठिनाई महसूस कर रहे थे। वहीं, जिन चूहों को चिरायता का अर्क दिया गया, उनमें स्पष्ट सुधार दिखाई दिया। वे नई चीजों को जल्दी पहचानने लगे और उनकी सीखने की क्षमता भी पहले से बेहतर हो गई। रिसर्च में यह भी सामने आया कि चिरायता में फ्लेवोनॉयड, फिनॉल और एंटीऑक्सीडेंट जैसे कई प्राकृतिक तत्व मौजूद हैं। ये तत्व दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान से बचाने में मदद करते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार चिरायता का असर दिमाग को सुरक्षित रखने वाली कुछ दवाओं के समान पाया गया। खासतौर पर अधिक मात्रा में दिए गए अर्क का असर सबसे ज्यादा प्रभावी देखा गया।

आयुर्वेद में हो रहा इस्तेमाल

शोधकर्ताओं ने बताया कि चिरायता का उपयोग लंबे समय से आयुर्वेदिक औषधि के रूप में किया जाता रहा है। इसका इस्तेमाल बुखार, मधुमेह, लिवर संबंधी समस्याओं और शरीर की सफाई के लिए भी किया जाता है। अब इस नए अध्ययन ने यह संकेत दिया है कि यह पौधा दिमागी बीमारियों के इलाज में भी उपयोगी साबित हो सकता है। हालांकि वैज्ञानिकों ने स्पष्ट किया है यह अभी शुरुआती स्तर की रिसर्च है और इंसानों पर इसके परीक्षण बाकी हैं। आगे बड़े स्तर पर अध्ययन और परीक्षण किए जाएंगे। इसके बाद ही इसे इलाज के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा। फिर भी विशेषज्ञ इस शोध को अल्जाइमर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज की दिशा में एक अहम कदम मान रहे हैं।

सिटी इवेंट

साहू समाज प्रतिभावान को करेगा सम्मानित, आदर्श विवाह भी

दुर्ग। दुर्ग जिला साहू संघ की मासिक बैठक जिला अध्यक्ष नंदलाल साहू की अध्यक्षता में जिला साहू सदन केलाबाड़ी में सम्पन्न हुई। बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा निर्णय लिए गए। सबसे पहले जिला के कोषाध्यक्ष दिलीप साहू द्वारा मासिक आय-व्यय एवं युवती परिचय सम्मेलन का आय-व्यय प्रस्तुत किया गया तथा उसका का अनुमोदन किया गया। इसके बाद दुर्ग जिला के लिए आवंटित भूमि में आहाता एवं भवन निर्माण पर चर्चा हुई। जिसमें सभी पदाधिकारियों ने कहा कि पहले जल्द से जल्द आहाता बनाया जाए उसके पश्चात भवन निर्माण जल्द से जल्द प्रारंभ किया जाएगा।

जिला में साहू समाज के जनगणना पर भी चर्चा हुई। साहू समाज में धर्मान्तरण विषय पर विशेष रूप से चर्चा हुई। सभी ने समाज में हो रहे धर्मान्तरण पर चिंता व्यक्त किये तथा इसे रोकने के लिए ठोस कदम उठाने के लिए योजना बनाकर कार्य किया जाएगा। इसके अलावा विगत 3 वर्षो में 10 स्टूडेंट्स विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित हो चुके है, इस वर्ष कांटेबल परीक्षा में 5 छात्र चयनित हुए है। सिलाई, ब्यूटी पार्लर, मेहंदी आर्ट, मशरूम की खेती करना यह सभी ट्रेनिंग भी दी जा रही। इस वर्ष भी शुरू की जा रही है कुछ सेंटर खोले जा चुके है एवं कुछ सेंटर खोले जाएंगे। इससे समाज की महिलाएं ट्रेनिंग के द्वारा खुद आत्मनिर्भर बन सके एवं स्वरोजगार स्थपित कर सके। तहसील व परिक्षेत्र में विभिन्न सामाजिक विषयों पर जैसे सामाजिक गौरव गाथा, नियमावली, अनुशासन, संगठन व्यवस्था आदि विषयों पर कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से जिला सलाहकार जीआर साहू, यमला साहू, रमेश साहू, कार्यकारी अध्यक्ष लखन साहू, महामंत्री अश्विनी साहू, उपाध्यक्ष मंजू साहू, यतीश साहू, सचिव सविता साहू, मीडिया प्रभारी राकेश साहू, कार्यलय प्रभारी सुनील साहू, विजय चौधरी, न्याय प्रकोष्ठ संयोजक जयप्रकाश साहू, अधिवक्ता प्रकोष्ठ संयोजक देवेंद्र साहू, युवा प्रकोष्ठ संयोजक शुभम साहू, महिला प्रकोष्ठ संयोजिका लालेश्वरी साहू, तहसील अध्यक्ष पोषण साहू , लालेश्वर साहू, व्यापार प्रकोष्ठ संयोजक ललन साहू, प्रशांत कलिहारी एवं जिला तहसील सामाजिक पदाधिकारी उपस्थित थे।

● दिल्ली के 45 युवा जानेंगे छत्तीसगढ़ की माटी की खुशबू

आईआईटी में युवा संगम चरण-VI का आगाज दिल्ली के युवा होंगे छत्तीसगढ़ की संस्कृति से रूबरू

भिलाई। एक भारत श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई में 5 दिवसीय युवा संगम चरण-VI का शुभारंभ हुआ। शिक्षा मंत्रालय की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत आईआईटी दिल्ली का 45 सदस्यीय छात्र प्रतिनिधिमंडल 29 मई तक छत्तीसगढ़ प्रवास पर रहेगा। पांच दिवसीय इस सांस्कृतिक-शैक्षणिक आदान-प्रदान कार्यक्रम में युवा छत्तीसगढ़ की परंपरा, पर्यटन, प्रगति, प्रौद्योगिकी और परस्पर संपर्क के पांच स्तंभों से रूबरू होंगे। कार्यक्रम का समन्वयन आईआईटी दिल्ली और मेजबानी आईआईटी भिलाई कर रहा है। उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि समाजसेवी पद्मश्री फूलबासन बाई यादव ने अपने जीवन संघर्ष की कहानी साझा कर युवाओं को झकझोर दिया। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण और सामुदायिक विकास सिर्फ नारों से नहीं, जमीन पर उतरकर काम करने से आता है। उन्होंने युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि दृढ़ संकल्प और सकारात्मक सोच से समाज की तस्वीर बदली जा सकती है।

तकनीक से जुड़े समाज विकास पर जोर : आईआईटी भिलाई के निदेशक प्रो. राजीव प्रकाश ने प्रतिकूल मौसम के बावजूद कार्यक्रम की सफलता पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत अनमोल है और वैश्विक चुनौतियों के दौर में तकनीक ही समाज विकास का आधार बनेगी। उन्होंने भारत की एकता और दृढ़ता को देश की सबसे बड़ी ताकत बताया। कुलसचिव डॉ. जयेश चंद्र एस. पई ने छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों, जनजातीय कला और पारंपरिक व्यंजनों चिला, फरा, ठेठरी-खुरमी से मेहमानों को परिचित कराया।

5-P फॉर्मूला से मजबूत होगा भारत : युवा संगम के पांच स्तंभों की व्याख्या करते हुए अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. संतोष बिस्वास ने कहा कि पर्यटन से जान-पहचान, परंपरा से जुड़ाव, प्रगति से प्रेरणा, प्रौद्योगिकी से समाधान और परस्पर संपर्क से विश्वास मजबूत होता है। उन्होंने युवाओं से सतत विकास के लिए तकनीक आधारित नवाचार में भागीदारी की अपील की। छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. उदयराज ने कहा कि ऐसे विनिमय कार्यक्रम नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रीय समझ विकसित करते हैं। नोडल अधिकारी डॉ. कृष्ण मुरारी ने बताया कि पूरा शेड्यूल अनुभवात्मक शिक्षण पर आधारित है।

बीएसपी से सिरपुर तक, संस्कृति से उद्योग तक दर्शन

पांच दिन में प्रतिनिधिमंडल पुरखौती मुक्तांगन में छत्तीसगढ़ी संस्कृति, जनजातीय संग्रहालय में आदिवासी जीवन शैली, राजभवन में प्रशासनिक व्यवस्था देखेगा। छत्तीसगढ़ का खजुराहो भोरमदेव मंदिर, सरोदा बांध की प्राकृतिक सुंदरता, राजिम का त्रिवेणी संगम, सिरपुर की बौद्ध विरासत और भिलाई इस्पात संयंत्र की औद्योगिक भव्यता से भी रूबरू होगा। इस दौरान आईआईटी परिसर में खेलकूद, सांस्कृतिक संध्या, वृक्षारोपण और श्रमदान के जरिए भावनात्मक जुड़ाव बनाया जाएगा।

भाषा और स्टार्टअप के विशेष सत्र

इस दौरान भाषाई विविधता से एकता का संदेश देने केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान द्वारा भारतीय भाषाओं का विशेष सत्र भी होगा। वहीं आईबीआईटीएफ द्वारा उद्यमिता विकास सत्र में युवाओं को स्टार्टअप कल्चर, इनोवेशन और स्वरोजगार के गुर सिखाए जाएंगे। सभी वक्ताओं ने युवा संगम को राष्ट्रीय एकता का सेतु बताया।कार्यक्रम में प्रो. संतोष बिस्वास, डॉ. उदयराज, डॉ. कृष्ण मुरारी सहित बड़ी संख्या में संकाय सदस्य, छात्र और स्वयंसेवक उपस्थित थे। उद्घाटन कार्यक्रम के अंत में नवीन कुमार उपाध्याय ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह संगम दिल्ली के युवाओं को छत्तीसगढ़ की माटी, संस्कार और विकास से जोड़कर एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को और मजबूत करेगा।

धर्म लाइव

अल मदद ने लिया हादसे में मृतक की बेटियों की पढ़ाई का जिम्मा

■ सोसाइटी की ओर से 15 हजार रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई

भिलाई। अंचल की समाजसेवी मुस्लिम महिलाओं के संगठन अल मदद एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी ने सड़क हादसे के मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता दी और उनके बच्चों की पढ़ाई का जिम्मा लिया। सोसाइटी के पदाधिकारी हाल ही में चंद्रा-मौर्या टॉकीज के पास सड़क हादसे में जान गंवाने वाले सेक्टर-2 निवासी सलीम खान के सेक्टर-2, स्ट्रीट-16 क्वार्टर नंबर 64 स्थित निवास पहुंचे। दुख की इस घड़ी में सोसाइटी की ओर से मृतक की पत्नी सलमा खातून को 15,000 की आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया गया, जिससे उनके घर में राशन-पानी और दूसरी जरूरतें पूरी हो सकें। सोसाइटी की प्रेसिडेंट अंजुम अली ने बताया कि मरहूम सलीम खान की तीन बेटियां हैं। सोसाइटी की ओर से इन तीनों बेटियों की स्कूली शिक्षा की पूरी जिम्मेदारी उठाई है। जब तक बच्चियाँ पढ़ाई करेंगी, उनकी शिक्षा का पूरा खर्च सोसाइटी द्वारा वहन किया जाएगा। इस दौरान कोषाध्यक्ष शाहीन खान, दरख्शां अंजुम एवं मिस्बाह हुसैन भी मौजूद थीं।

शिवालयों में रुद्राभिषेक

गंगा दशहरा पर घाटों पर नमामि गंगे की रही गूंज,श्रद्धालुओं ने किया स्नान व दान

भिलाई। ज्येष्ठ शुक्ल दशमी यानी गंगा दशहरा के पावन पर्व पर आज दुर्ग-भिलाई अंचल आस्था के रंग में रंगा नजर आया। मान्यतानुसार इस दिन ही मां गंगा का धरती पर अवतरण हुआ था। इसी आस्था के चलते ब्रह्ममुहूर्त से ही शिवनाथ नदी के तटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। दुर्ग के शिवनाथ घाट, महमरा एनीकट, हथखोज घाट, उतई और जेवरा सिरसा के घाटों पर हजारों की संख्या में लोगों ने पुण्य की डुबकी लगाई। जानकारी देते हुए पंडित ऋषभ देव उपाध्याय ने बताया कि इस बार गंगा दशहरा पर रवि योग और सिद्धि योग का संयोग बना है, जिससे स्नान-दान का पुण्य कई गुना बढ़ जाता है। शाम तक घाटों पर श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला जारी रहा। लोग तड़के 3 बजे से ही परिवार सहित घाटों पर पहुंचकर सूर्य को अर्घ्य दिया। हर-हर गंगे, नमामि गंगे के जयकारों से पूरा नदी तट गूंज उठा। कई श्रद्धालुओं ने नदी में दीपदान भी किया। स्नान के बाद लोगों ने घाट पर ही ब्राह्मणों को सत्तू, मटका, पंखा, छाता, ऋतुफल और अन्न का दान किया।

गंगा दशहरा पर भगवान शिव की पूजा का भी विशेष विधान है क्योंकि गंगा जी को शिव ने ही अपनी जटाओं में धारण किया था। इसी कारण शहर के सभी प्रमुख शिव मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं। चंडी मंदिर दुर्ग, सिविक सेंटर शिव मंदिर, सेक्टर-6 भिलाई, खुर्सीपार और कोहका के शिवालयों में रुद्राभिषेक, दुग्धाभिषेक और श्रृंगार पूजा हुई। कोहका मंदिर के पंडित ऋषभ देव उपाध्याय ने बताया कि आज के दिन गंगा जल से शिव का अभिषेक करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कई स्थानों पर मंदिर समितियों द्वारा खिचड़ी और शरबत के भंडारे भी लगाए गए। गंगा दशहरहा के अवसर पर घरों में भी इस पर्व की धूम रही। महिलाओं ने सुबह उठकर पूरे घर में गंगाजल का छिड़काव किया और मुख्य द्वार पर गंगा मैया के प्रतीक स्वरूप स्वस्तिक बनाया। पूजा के बाद खीर, पूरी, हलवा और 10 प्रकार के मौसमी फलों का भोग लगाया गया।

आत्मनिर्भरता की मिसाल

सुई-धागे और सुगंधित धान ने बदली किस्मत

भिलाई। स्व सहायता समूह की ताकत से आज महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं, इसकी मिसाल बनी हैं ग्राम चंदखुरी की लता देवांगन। लखपति दीदी योजना से जुड़कर उन्होंने सिलाई और खेती को अपना हथियार बनाया और आज सालाना 1 लाख 56 हजार रुपए कमा रही हैं। लता देवांगन वर्ष 2019 में क्लस्टर अण्डा के आरती स्व सहायता समूह से जुड़ीं। समूह अध्यक्ष ईश्वरी देशमुख के नेतृत्व में 10 महिलाओं ने बचत शुरू की। लता को आर.एफ. से 15 हजार की सहायता मिली, जिससे उन्होंने सिलाई का काम बढ़ाया। शुरुआती दौर में सिलाई से सालाना सिर्फ 5 हजार और खेती से 10 हजार की आमदनी थी।

लखपतिअभियान के तहत कृषि विभाग ने लता को सुगंधित धान उत्पादन से जोड़ा। इससे फसल की कीमत बढ़ी और खेती से आय 10 हजार रुपए प्रतिमाह हो गई। वहीं सिलाई से अब हर महीने 3 हजार रुपए की कमाई हो रही है। इस तरह कुल वार्षिक आय 1.56 लाख तक पहुंच गई। अब वे दूसरी महिलाओं को भी प्रेरित कर रही है। लता का कहना है कि पहले सीमित आय में घर चलाना मुश्किल था। समूह से जुड़ने के बाद जिंदगी बदल गई। अब आत्मनिर्भर हूं और दूसरी महिलाओं को भी समूह से जुड़कर स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित करती हूं।

समाज इवेंट

डीईओ कार्यालय में कर्मचारी संगठन प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित

दुर्ग। जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा की अध्यक्षता में विकासखंड शिक्षा अधिकारी दुर्ग विनोद शुक्ला, धमधा अथर्व शर्मा, पाटन डालेंद्र देवांगन एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग कर्मचारी संगठन जिला अध्यक्ष-दुर्ग भानु प्रताप यादव, शिक्षक फेडरेशन जिला अध्यक्ष चंचल द्विवेदी, सुखेंद्र देवांगन, धर्मेंद्र देशमुख,गिरीश साहू,ओम प्रकाश पांडे की उपस्थिति में कर्मचारी की समस्या के संबंध में बैठक आयोजित की गई एवं 10 जून 2026 तक सेवा पुस्तिका संधारण, चिकित्सा देयक का निराकरण, पासबुक संधारण सहित अन्य समस्या के संबंध में खंड शिक्षा अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए।

अल्लाह की इबादत करने और नेकी कमाने के बेहतरीन दिन

कार्नर न्यूज

भिलाई। कुर्बानी के जज्बे के साथ मुस्लिम समुदाय 28 मई को ईद उल अजहा मनाएगा। ईद की नमाज के लिए शहर में ईदगाहों और मस्जिदों में खास इंतजाम किए गए हैं। वहीं मौसम बदलने और बारिश होने पर नमाज के लिए अलग बंदोबस्त रखा गया है। इसके साथ ही तीन दिन तक कुर्बानी का सिलसिला भी शुरू हो जाएगा। जिसमें लोग अपनी हैसियत के मुताबिक बकरों की कुर्बानी देंगे। जामा मस्जिद सेक्टर-6 के ईदगाह मैदान में सुबह ठीक 8 बजे ईदुल अजहा की नमाज अदा की जाएगी। भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट के सदर मिर्जा आसिम बेग ने बताया कि मौसम में बदलाव होने पर तमाम इंतजाम किए गए हैं। बारिश होने पर सुबह 7.30 बजे मस्जिद में पहली जमाअत होगी और उसके बाद जरूरत के मुताबिक आधे-आधे घंटे के अंतराल से जमाअत होगी।

ईद उल अजहा पर 28 को होगी नमाज, ईदगाहों में बारिश होने पर अलग इंतजाम, तैयारियां शुरू

ईद की नमाज शेर-ए-खुदा मस्जिद कैलाश नगर में होगी

शेर-ए-ख़ुदा ईदगाह मैदान, हाउसिंग बोर्ड में सुबह ठीक 8 बजे हजरत अल्लामा मौलाना ताज़िम रज़ा मिस्बाही नमाज अदा करवाएंगे। मौसम ख़राब होने की सूरत में ईद की नमाज़ शेर-ए-ख़ुदा मस्जिद, कैलाश नगर में अदा की जाएगी। शेर-ए-खुदा मस्जिद में पहली जमात सुबह ठीक 7.30 बजे और दूसरी जमात सुबह 8.30 बजे होगी। फरीद नगर ईदगाह में सुबह 7.30 बजे जमाअत होगी। मदनी मस्जिद जोन-1 में सुबह 8 बजे, हुसैनी मस्जिद करबला मैदान जीई रोड में सुबह 7.45 बजे जमाअत होगी। अशरफ़ी मस्जिद रूआबांधा भिलाई में पहली जमाअत सुबह 7 बजे इमाम कारी फारूक अशरफ़ी अदा करवाएंगे। वहीं जरूरत पड़ने पर दूसरी जमाअत 7.45 बजे मुफ़्ती मुहम्मद शाहिद अली मिस्बाही प्रिंसिपल मदरसा ताजुल उलूम रुआबांधा भिलाई या क़ारी शमशीर अली अशरफ़ी अदा करवाएंगे।

आलिमों ने कहा- इबादत करने और नेकी कमाने का बेहतरीन दिन है ईद उल अजहा

इस्लामी कैलेंडर के मुताबिक जिलहिज्जा का महीना बेहद अहम है। इस मौके पर काजी ए शहर दारुल कजा भिलाई मुफ्ती मोहम्मद सोहेल ने कहा कि जिल हिज्जा के 10 दिन यानी एक से 10 तारीख तक गुनाहों से तौबा करने, अल्लाह की इबादत करने और नेकी कमाने के बेहतरीन दिन है। उन्होंने ने कहा कि 9 वें का रोज़ा अरफा का दिन कहा जाता है। इसके बारे मे पैगम्बर हज़रत मोहम्मद सल्लु अलैहिस्सलाम ने कहा जिसका सार यह है कि इस दिन का रोज़ा रखने वाले के एक साल के गुनाह माफ़ हो जाते है। मौलाना सैय्यद फैसल अमीन कहते हैं कि यौमे अरफा के दिन सबसे पाक दिनों मे से एक है। हाफिज अमान कहते हैं कि ईद उल अजहा कुर्बानी माफी का सबसे बड़ा त्यौहार है। इसमें अल्लाह के नबी हज़रत इब्राहिम अलैहिस्सलाम व हज़रत इस्माइल अलैहिस्सलाम की कुर्बानी को क़यामत तक आने वाले ईमान वालों के लिए एक बड़ी तालीम है। उन्होंने कहा कि अल्लाह दिलों के भेद को भी जानता है तकवा परहेज़गार बनो उसके नजदीक तकवा अल्लाह का डर बड़ी कुबूलियत की चीज है।

सिटी स्पोर्ट्स

जशपुर के खिलाड़ियों का नेशनल चैंपियनशिप में जलवा, गोवा में लहराया जीत का परचम

रायपुर। गोवा के प्रसिद्ध डुलर फुटबॉल स्टेडियम में आयोजित 10वीं स्पोर्ट्स टूरिज्म इंडिया ओपन नेशनल चैंपियनशिप 2026 में जशपुर के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए दोहरा खिताब अपने नाम किया है। मुख्य फुटबॉल कोच के.के. तिर्की के मार्गदर्शन में उतरी टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-19 और सीनियर दोनों ही कैटेगरी में नेशनल चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है।

इस ऑल इंडिया टूर्नामेंट का आयोजन 18 मई से 20 मई तक किया गया, जिसमें देश भर से कबड्डी, वॉलीबॉल, क्रिकेट और फुटबॉल की टीमों ने अंडर-14, अंडर-17, अंडर-19 और सीनियर कैटेगरी में हिस्सा लिया। सीनियर टीम ने फाइनल मुकाबले में तमिलनाडु जैसी हैवीवेट टीम को करारी शिकस्त देकर खिताबी जीत हासिल की। इस महामुकाबले में जशपुर के स्टार खिलाड़ी माइकल एक्का और अमन केरकेट्टा ने तमिलनाडु के खिलाफ एक के बाद एक शानदार गोल दागकर इतिहास रच दिया। सीनियर टीम ने इस टूर्नामेंट में अपनी बादशाहत कायम रखते हुए लगातार चौथी बार (4 साल से लगातार) विनर बनने का रिकॉर्ड बनाया है।

पूरे टूर्नामेंट में जशपुर के जांबाज खिलाड़ियों किशोर तिर्की, माइकल एक्का, अमन एक्का, गोलकीपर राजू, राकेश सिंह, अमन केरकेट्टा और अस्मिन राम ने मैदान पर गजब का तालमेल और बेहतरीन खेल दिखाया, जिसके दम पर टीम ने यह ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

अंडर-19 टीम की ऐतिहासिक जीतः वहीं दूसरी तरफ, फाइनल मुकाबले में छत्तीसगढ़ की अंडर-19 टीम का सामना मध्य प्रदेश से हुआ। बेहद रोमांचक मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने मध्य प्रदेश को 01-00 से हराकर विजेता ट्रॉफी पर कब्जा किया। इस बड़ी जीत के बाद टीम के कोच और खिलाड़ियों ने अपने संघर्ष को याद किया। उन्होंने बताया कि एक छोटे से गांव से निकलकर, जिला स्तर और फिर स्टेट से होते हुए नेशनल चैंपियनशिप तक का यह सफर बेहद कठिन और चुनौतियों से भरा रहा। बिना किसी बड़े आधुनिक संसाधनों के, खिलाड़ियों ने केवल अपने दमखम, लगन और कड़ी मेहनत के दम पर यह मुकाम हासिल किया है।

इस ऐतिहासिक दोहरी जीत के बाद पूरे जशपुर जिले और खेल प्रेमियों में जश्न का माहौल है। कोच के.के. तिर्की और सभी विजेता खिलाड़ियों को हर तरफ से बधाइयां मिल रही हैं। अब टीम का अगला लक्ष्य आने वाले टूर्नामेंट्स के लिए और भी ज्यादा मेहनत करना है।

एलिट ग्रुप फाइनल में रायपुर ब्लू-धमतरी का मुकाबला शुरू

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंडर-16 एलिट ग्रुप अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच मंगलवार से धमतरी में शुरू हुआ। टीम रायपुर ब्लू विरुद्ध बिलासपुर में टॉस बिलासपुर ने जीता एवं पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। बल्लेबाजी में रायपुर ब्लू ने पहली पारी में तीन विकेट पर 168 रन, अनमोल राज सिंह नॉट आउट 55 रन, के अभिनव ने 45 रन, अभिनव गर्ग ने 34 रन, शौर्य जायसवाल नॉट आउट 08 रन और ईशान अग्रवाल ने 17 रन बनाए। गेंदबाजी में बिलासपुर के मोहम्मद जैद अनवर एवं आदित्य बेडवाल ने एक-एक विकेट लिया और एक खिलाड़ी रन आउट हुआ।

तरूण, हरि और रवि रहे प्लेयर ऑफ द मैच

भिलाई। भिलाई इस्पात क्लब द्वारा आयोजित सुपर प्रो सॉफ्टबॉल लीग क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत मंगलवार को शानदार मैच खेले गए। मिनी स्टेडियम खुर्सीपार में पहला मैच खुर्सीपार टाइटन विरुद्ध मोक्ष -11 में परिणाम खुर्सीपार टाइटन ने 17 रन से जीता। प्लेयर ऑफ द मैच तरुण यादव रहे। दूसरा मैच रॉयल स्ट्राइकर विरुद्ध शिव-11 में परिणाम शिवा-11 ने चार विकेट से जीता। प्लेयर ऑफ द मैच एस टी हरि रहे। तीसरा मैच सूर्या लाइंस विरुद्ध आंजनेय ब्लास्ट में परिणाम सूर्य लाइंस ने 09 विकेट से जीता। प्लेयर ऑफ द मैच रवि फरिकर रहे। मैच के अंपायर सुनील डड़सेना, पियूष साहू एवं हरप्रीत सिंह रहे। स्कोरर विवेक सिंघम एवं वीरेंद्र गोस्वामी रहे। यह जानकारी आयोजक अरविंद सिंह ने दी।

जीवनभर के लिए बिगड़ सकती है दिमाग की बनावट

जंक फूड के नाम पर हम अपने बच्चों को दे रहे हैं धीमा जहर, एहतियात नहीं बरतें तो होगा सेहत पर बुरा असर

बच्चों का शरीर और मस्तिष्क विकास की अवस्था में होता है। ऐसे समय में अगर पोषण की जगह अल्ट्रा-प्रोसेस्ड और हाई-कैलोरी फूड्स ज्यादा खाए जाएं तो शरीर को जरूरी पोषक तत्व नहीं मिल पाते और कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। यह आदत जीवनभर के लिए बच्चों के ब्रेन को क्षति भी पहुंचा सकती है।

कई अध्ययन इस बात को स्पष्ट कर चुके हैं कि शरीर को सेहतमंद रखना है और गंभीर बीमारियों से बचे रहना है तो सबसे पहले खान-पान में सुधार कर लेना जरूरी है। इसकी शुरुआत बचपन से ही की जानी चाहिए। बच्चों के आहार के पौष्टिक रखकर आप उन्हें भविष्य के कई खतरों से बचाए रख सकते हैं।

हालांकि मौजूदा समय में बच्चों का खान-पान सबसे बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। बर्थडे पार्टी हो या स्कूल का टिफिन, कहीं घूमने जाना हो या फिर शाम की हल्की भूख बच्चों की पहली पसंद अक्सर पिज्जा, बर्गर, फ्रेंच फ्राइज, नूडल्स, चिप्स और कोल्ड ड्रिंक्स ही बनते जा रहे हैं। चूंकि ये आसानी से उपलब्ध होते हैं इसलिए अक्सर माता-पिता भी इसे लाकर दे देते हैं।

पर क्या आप जानते हैं कि ये सामान्य सी लगने वाली खान-पान की आदत बच्चे के लिए इतनी खतरनाक हो सकती है,

जिसे कभी ठीक तक नहीं किया जा सकता? जंक फूड्स से बच्चों में मोटापे का खतरा तो रहता ही है साथ ही अब विशेषज्ञों ने बताया है कि ऐसा खान-पान ब्रेन में ऐसे बदलाव कर सकता है, जिसका असर लंबे समय तक बना रहता है और आमतौर पर इसे कभी ठीक भी नहीं किया जा सकता। अगर आप भी बच्चों को जंक फूड्स दे रहे हैं तो ये उनकी सेहत, विशेषकर ब्रेन के लिए स्लो-पॉइजन के जैसा हो सकता है।

जंक फूड्स बच्चों की सेहत के लिए खतरनाक

आयरलैंड स्थित यूनिवर्सिटी कॉलेज कॉर्क के विशेषज्ञ बताते हैं कि कम उम्र में बहुत ज्यादा जंक फूड खाने से दिमाग में ऐसे बदलाव हो सकते हैं जो लंबे समय तक बने रहते हैं, भले ही बाद में वह व्यक्ति हेल्दी खाना क्यों न खाने लगे। वैज्ञानिकों ने पाया कि हाई फैट और ज्यादा चीनी वाली चीजें, खाने की आदतें बदल देती है।

इसका दिमाग के उन हिस्सों पर असर पड़ता है जो भूख को कंट्रोल करते हैं। जंक-फास्ट फूड्स दिमाग के भूख और खाने की प्रक्रिया को कंट्रोल करने के तरीके में बदलाव कर देते हैं। जिसका असर जीवनभर बना रह सकता है। ये बदलाव तब भी बने रहते हैं जब आप इस तरह की नुकसानदेय चीजें खाना खाना बंद कर देते हैं।

जंक फूड्स खाने से दिमाग पर पड़ता है असर

विशेषज्ञों ने कहा, आजकल के बच्चे हाई प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों से घिरे हुए हैं। इनका जोरदार प्रचार किया जाता है और ये आसानी से उपलब्ध भी हो जाते हैं। 'नेचर कम्युनिकेशंस' में प्रकाशित अध्ययन में पाया गया कि हाई कैलोरी और बेहद कम पोषक तत्वों वाले ऐसे खाद्य पदार्थ शरीर को खोखला कर सकते हैं। प्रीक्लिनिकल अध्ययन

में पाया कि जिन चूहों को जीवन की शुरुआत में ही हाई फैट और हाई शुगर वाली चीजें खाने को दी गईं, उनमें वयस्क होने पर खाने के व्यवहार में लगातार बदलाव देखने को मिले। ऐसे खाद्य पदार्थ हाइपोथैलेमस पर सबसे ज्यादा असर डालते हैं। हाइपोथैलेमस मस्तिष्क का वह हिस्सा है जो भूख और ऊर्जा के संतुलन को नियंत्रित करने के लिए जिम्मेदार होता है।

प्रमुख शोधकर्ता डॉ. क्रिस्टीना क्यूस्टा-मार्टी कहती हैं, हमारे नतीजों से पता चलता है कि हम बचपन में जो खाते हैं, वह सच में मायने रखता है। इसका असर सिर्फ आपके वजन पर नहीं दिखता बल्कि शरीर में कई और गंभीर बदलाव हो सकते हैं। एक बाद खाने की आदतों में बदलाव से आपको हमेशा वही चीजें खाने की ज्यादा इच्छा होती है। अगर आप इस इच्छा के चलते लंबे समय तक जंक फूड्स ज्यादा खाते रहते हैं तो ये शरीर में इंफ्लेमेशन को बढ़ाकर डायबिटीज, दिल की बीमारी, हाई ब्लड प्रेशर और कैंसर तक के खतरे को बढ़ा देता है।

कांच के कंटेनर से स्टीकर हटाने में आपको भी होती है मुश्किल तो वायरल हैक्स कीजिए ट्राई

आपके घर में भी जब बाहर से नए जार या कोई सामान कांच के जार में आता होगा तो उसपर टैग लगा होता होगा। ऐसे में उस प्रोडक्ट के खत्म हो जाने के बाद हम उसे यूज करने के लिए उसके ऊपर से टैग हटाते हैं, लेकिन यह आसानी से हटता नहीं है। ऐसे में आज हम आपको कांच के जार पर लगे स्टिकर को हटाने के कुछ हैक्स लेकर आए हैं। जिन्हें आप भी आजमाकर देख सकती हैं।

गर्म पानी में नमक डालें

आप यदि अपने किसी भी कांच के जार से स्टीकर हटाने का सोच रही हैं, तो आप गर्म पानी लेकर उसमें थोड़ा नमक मिक्स करें। इसके बाद आप इसमें कांच का जार डाल दें। जार को करीब 10 मिनट के लिए गर्म पानी में पड़ा रहने दें। फिर आप हाथों की मदद से स्टीकर को धीरे-धीरे रगड़ें। स्टीकर का पेपर पूरा हट जाएगा। ध्यान रहे आपको ज्यादा गर्म पानी में कांच का जार नहीं डालना है। इससे यह फट सकता है।

हेयर ड्रायर का करें इस्तेमाल

कांच के जार पर लगा स्टीकर हटाने के लिए आप बाल को सुखाने वाला हेयर ड्रायर भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए आपको हेयर ड्रायर लेकर स्टीकर पर चलाना है। जब स्टीकर हल्का गर्म हो जाए तो उसे किसी नुकीली चीज से हटाने की कोशिश करें। ध्यान रहे ज्यादा देर तक आपको स्टीकर पर हेयर ड्रायर का यूज नहीं करना है।

भाप से करें साफ

भाप से भी कांच के जार से स्टीकर हटाया जा सकता है। इसके लिए आपको एक बर्तन में पानी

भरकर उसे जैसा पर रखना है। अब उसपर आपको छेद वाली छलनी रखनी है। इस छलनी पर आपको कांच की बोतल स्टीकर की साइड से रखकर ऊपर से किसी प्लेट की मदद से ढक देना है। थोड़ी देर बाद आप प्लेट को हटाएं और चाकू की मदद से स्टीकर को हटाने की कोशिश करें। यहां भी आपको ज्यादा देर के लिए जार को भाप में नहीं रखना है।

नारियल का तेल

शायद आपको सुनकर अजीब लगेगा कि नारियल के तेल की मदद से भी कांच के जार से स्टीकर को हटाया जा सकता है। इसके लिए आपको हाथों में कोकोनट आयल लेकर स्टीकर पर अच्छी तरह लगाकर छोड़ देना है। थोड़ी देर बाद कागज फूल जाएगा और अब आप उंगलियों की मदद से इसे हटाने की कोशिश करें।

नेल पेंट रिमूवर

कांच के कंटेनर से स्टीकर हटाने के लिए आपको एक कपड़े में नेल पेंट रिमूवर लेना है। अब आपको उसे स्टीकर पर रगड़ना है।

गर्मी में घर पर मलाई कुल्फी बनाते समय ये टिप्स बनाएं उसे बेहद टेस्टी

अगर आप घर पर मलाई कुल्फी बना रही है और आप उसके टेस्ट को और भी बेहतर बनाना चाहती हैं तो ऐसे में आप कुछ छोटे-छोटे टिप्स को फॉलो कर सकती हैं।

अगर आप मलाई कुल्फी का वह क्रीमी और ऑथेंटिक टेस्ट पाना चाहती हैं तो ऐसे में आप हमेशा फुल क्रीम दूध का इस्तेमाल करें। दरअसल, इसमें फैट ज़्यादा होता है, जिससे कुल्फी गाढ़ी और मलाईदार बनती है। साथ ही, इससे बर्फ के क्रिस्टल्स नहीं बनते और कुल्फी का टेक्सचर बिल्कुल वैसा आता है, जैसा आना चाहिए।

दूध को धीमी आंच पर उबालें

मलाई कुल्फी बनाते समय दूध में एक गाढ़ापन होना चाहिए और इसके लिए दूध को धीमी आंच पर उबालना काफी अच्छा रहता है। इससे दूध में एक मिठास और टेस्ट आता है, जिससे कुल्फी को रबड़ी जैसा गाढ़ापन और बेहतरीन टेस्ट भी मिलता है।

कंडेस्ड मिल्क का करें इस्तेमाल

वैसे घर पर मलाई कुल्फी बनाते समय कंडेस्ड मिल्क का इस्तेमाल करना जरूरी नहीं है। लेकिन इससे यकीनन कुल्फी का टेस्ट काफी अच्छा आता है। इससे कुल्फी गाढ़ी भी बनती है और टाइम भी बचता है। कंडेस्ड मिल्क से कुल्फी को क्रीमी टेक्सचर, हल्की कारमेल सी मिठास मिलती है।

अमूमन लोग कुल्फी बनाते समय इलायची पाउडर का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन ताज़ी कुटी इलायची की खुशबू पिसी हुई पाउडर से ज़्यादा दमदार होती है। जिससे कुल्फी की खुशबू और टेस्ट दोनों ही बेहतर होते हैं।

वेट लॉस ही नहीं, इन वजहों से भी बॉडी हाइड्रेशन का ख्याल रखें

अक्सर लोग यह मानते हैं कि वेट लॉस के लिए बॉडी हाइड्रेशन का ख्याल रखना जरूरी है। लेकिन वास्तव में यह आपके शरीर के लिए कई मायनों में आवश्यक है।

पानी शरीर के लिए अमृत से कम नहीं है। लेकिन अक्सर यह देखने में आता है कि जब लोग अपनी वेट लॉस जर्नी पर होते हैं, तभी वे अपने वाटर इनटेक पर फोकस करते हैं। यह सच है कि वजन कम करने में पानी काफी मददगार होता है। लेकिन वास्तव में यह सिर्फ वज़न घटाने के लिए नहीं, बल्कि आपकी ओवर ऑल हेल्थ का ख्याल भी रखता है। पानी की मदद से थकान दूर होती है, पाचन तंत्र ठीक रहता है। यहां तक कि बॉडी हाइड्रेशन का ख्याल रखने से आपकी स्किन भी ग्लो करती है। अमूमन लोग अपनी भागदौड़ भरी जिन्दगी में पानी पीना भूल जाते हैं, जिससे आपकी सेहत पर उल्टा असर पड़ सकता है। अगर आप यह सोचते हैं कि पानी सिर्फ आपका वजन ही कम नहीं करता है, तो आप यकीनन काफी गलत है। सेंट्रल गवर्नमेंट हॉस्पिटल के ई ए स आ ई सी अस्पताल की डाइटीशियन ऋतु पुरी आपको बता रही हैं कि बॉडी हाइड्रेशन आपके लिए क्यों जरूरी है-

एनर्जी बूस्टर की तरह करता है काम

आपको शायद पता ना हो, लेकिन पानी शरीर के लिए एनर्जी बूस्टर की तरह काम करता है। अगर आपको किसी वजह से थकावट का अहसास हो रहा है तो हो सकता है कि आपका शरीर थोड़ा डिहाइड्रेट हो गया हो। जब शरीर में पानी की कमी होती है, तो ऐसे में सेल्स स्लो काम करते हैं और व्यक्ति को शरीर में एनर्जी कम महसूस होती है। उस वक्त अगर आप बस 1-2 ग्लास पानी पी लेते हैं तो ऐसे में आपको एकदम से फ्रेश और एक्टिव फील कर सकती हो।

स्किन में आता है ग्लो

आज के समय में लोग ग्लोइंग स्किन पाने के लिए तरह-तरह के उपाय अपनाते हैं। लेकिन अगर शरीर में पानी की कमी होती है तो इससे स्किन डल व ड्राई नजर आती है। यही वजह है कि बॉडी हाइड्रेशन से स्किन को काफी लाभ मिलता है। जब शरीर पूरा हाइड्रेटेड होता है, तो स्किन अंदर से हेल्दी बनती है। ऐसे में स्किन ग्लोइंग और यंगर बनती है। महज हर दिन सही मात्रा में पानी पीना आपकी स्किन का सबसे अच्छा साथी साबित हो सकता है।

पाचन रहता है एकदम फिट

बॉडी हाइड्रेशन का ख्याल रखने से पाचन तंत्र पर काफी अच्छा असर पड़ता है। जब आप सही मात्रा में पानी पीते हैं तो इससे आपको कब्ज की शिकायत नहीं होती है। साथ ही साथ, खाने के डाइजेशन में भी काफी मदद मिलती है। शायद यही वजह है कि सुबह उठते ही सबसे पहले पानी पीने की सलाह दी जाती है।

सिरदर्द में मिल सकता है आराम

बहुत कम लोगों को इस बात की जानकारी है कि सिरदर्द का एक मुख्य कारण बॉडी डिहाइड्रेशन भी हो सकता है।

कार्नर न्यूज

फाइबर का सुपरफूड मिलेगा आपको दूसरे बीजों से भी

प्रचुर मात्रा में प्रोटीन चाहिए तो चिया सीड्स ही नहीं कुछ और बीज भी कीजिए इस्तेमाल

चिया सीड्स को प्रोटीन और फाइबर का सुपरफूड माना जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं इसके अलावा कई सीड्स हैं जो जिसमें प्रोटीन प्रचुर मात्रा में मिलता है। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में प्रोटीन का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। शरीर की हर कोशिका के निर्माण से लेकर मांसपेशियों की मजबूती, हार्मोनल संतुलन और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बनाए रखने तक, प्रोटीन अहम भूमिका निभाता है। जब प्रोटीन के स्रोतों की बात आती है, तो अधिकतर लोग मांसाहारी भोजन या डेयरी उत्पादों पर निर्भर करते हैं। वहीं, शाकाहारी और वीगन डाइट फॉलो करने वाले अक्सर चिया सीड्स को प्रोटीन का एक मुख्य स्रोत मानते हैं, और इसमें कोई संदेह नहीं कि यह एक बेहतरीन विकल्प है। हालांकि, प्रकृति ने हमें ऐसे कई और छोटे, लेकिन बेहद शक्तिशाली विकल्प दिए हैं जो प्रोटीन से भरपूर होने के साथ-साथ अन्य आवश्यक पोषक तत्वों का भी खजाना हैं।

भांग के बीज

भांग के बीज प्रोटीन का शानदार स्रोत हैं। 100 ग्राम भांग के बीज में

लगभग 31-33 ग्राम प्रोटीन होता है, जो शाकाहारी लोगों के लिए मांस का बेहतरीन विकल्प है। इनमें सभी 9 आवश्यक अमीनो एसिड्स मौजूद होते हैं, जो मांसपेशियों के विकास और एनर्जी लेवल को बढ़ाने में मदद करते हैं।

कद्दू के बीज

कद्दू के बीज, जिन्हें पेपिटास भी कहते हैं, प्रोटीन का पावरहाउस माना जाता हैं। 100 ग्राम कद्दू के बीज में लगभग 24-25 ग्राम प्रोटीन होता है। इनमें जिंक, मैग्नीशियम, आयरन और फाइबर भी प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जो हड्डियों, इम्यूनिटी और पाचन के लिए फायदेमंद होते हैं। कद्दू के बीज खाने से नींद की गुणवत्ता सुधरती है, क्योंकि इनमें ट्रिप्टोफैन होता है, जो मेलाटोनिन हार्मोन को बढ़ाता है। इन्हें भूनकर स्नैक के रूप में, सलाद में या स्मूदी में डालकर खा सकते हैं।

सूरजमुखी के बीज

सूरजमुखी का बीज प्रोटीन का अच्छा स्रोत हैं, जिनमें 100 ग्राम में लगभग 21 ग्राम प्रोटीन होता है। इसमें विटामिन ई, सेलेनियम और हेल्दी फैट्स होते हैं, जो त्वचा, बालों और हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होते हैं। सूरजमुखी का बीज कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। इन्हें भूनकर या कच्चा सलाद, ओट्स या दही में मिलाकर खाया जा सकता है।

तिल के बीज

तिल के बीज, जो सफेद और काले दोनों रूपों में उपलब्ध हैं, प्रोटीन से भरपूर होते हैं।

100 ग्राम तिल में लगभग 18 ग्राम प्रोटीन होता है। इनमें कैल्शियम, मैग्नीशियम और विटामिन बी भी पाए जाते हैं, जो हड्डियों और हार्मोनल संतुलन के लिए जरूरी हैं। तिल का तेल और बीज पाचन को बेहतर बनाते हैं और अर्थराइटिस के दर्द से राहत दिलाते हैं।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

डॉक्टर स्ट्रेंज' दिखे बहस करते, लंदन की गलियों से वायरल हुआ वीडियो

अभिनेता बेनेडिक्ट कंबरबैच और एक साइकल सवार के बीच लंदन में तीखी बहस हो गई। यह मामला बीच रोड पर हुआ जब लोग अभिनेता को देख रहे थे। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। अभिनेता बेनेडिक्ट कंबरबैच लंदन की सड़क पर थे। जहां उनक बहस एक साइकल सवार से अचानक होने लगी, जो दस मिनिट तक चली। इसके बाद दोनों ने एक दूसरे पर आरोप लगाए। जहां बेनेडिक्ट ने साइकल सवार पर उन्हें मौखिक रूप से गाली देने का आरोप लगाया है वहीं साइकिल सवार ने अभिनेता पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। इसके बाद दोनों ही अपने- अपने रास्ते निकल गए। आगे जाकर अभिनेता अपने फैंस के साथ सेल्फी लेते नजर आए। बता दें 49 साल के कंबरबैच ने अपने करियर में प्रसिद्धि 'शेरलॉक होम्स' सीरीज से मिली थी। इस सीरीज में उन्होंने जासूस शेरलॉक होम्स का किरदार निभाया था। यह सीरीज लगभग सात साल तक चली। इसके लिए कंबरबैच को एमी पुरस्कार भी मिला था। आगे जाकर कंबरबैच मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स का हिस्सा बने। इसमें उन्हें 'डॉक्टर स्ट्रेंज' का किरदार निभाया जो ग्लोबली हिट रहा। उन्होंने दो एवेंजर्स फिल्मों, 'स्पाइडर-मैन: फार फ्रॉम होम' और 'डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस' में इस किरदार में वापसी की थी। बेनेडिक्ट कंबरबैच का नाम हॉलीवुड के पॉपुलर अभिनेताओं में लिया जाता है। फैंस भी उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स का इंतजार कर रहे हैं जिसमें 'वाइफ एंड डॉग', 'ब्लड ऑन स्नो', 'रोग मेल', 'मॉर्निंग' और 'लास्ट फ्लाइट' शामिल हैं।

टॉलीवुड

इस एक्टर ने फिल्ममेकर्स की लगाई क्लास, कहा- दर्शकों को हल्के में न लें

तेलुगु सिनेमा के अभिनेता राहुल रामकृष्ण ने फिल्मों के फ्लॉप होने और महंगे टिकट प्राइज को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने फिल्ममेकर्स से दर्शकों को हल्के में न लेने की भी बात कही है। साथ ही उन्होंने दर्शकों के सामने आने वाली चुनौतियों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया है।

राहुल रामकृष्ण ने फिल्म इंडस्ट्री और फिल्मों के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन को लेकर एक्स पर कई पोस्ट कीं, जिसमें उन्होंने अपनी बात रखी। इसी दौरान अभिनेता ने फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप होने को लेकर फिल्ममेकर्स से कहा कि दर्शकों के सिनेमाघरों में न आने की शिकायत करने से पहले निर्माता इस बात पर विचार करें कि हम जो कंटेंट बना रहे हैं, वह कितना घटिया है। राहुल ने याद दिलाया कि आज के दौर में आम आदमी के लिए सिनेमाघर आकर फिल्म देखना कोई छोटी बात नहीं है। उन्होंने कहा कि दर्शक चिलचिलाती धूप, ट्रैफिक जाम, पार्किंग की दिक्कतें, पेट्रोल की बढ़ती कीमतें इन सब परेशानियों को सहकर सिनेमाघर आते हैं। यहां तक कि उन्हें महंगे स्नैक्स और टैक्स का बोझ भी उठाना पड़ता है। अगर आपकी फिल्म सिनेमाघर में बैठे दर्शकों का मनोरंजन नहीं कर सकती, तो आपको उन्हें घर से बाहर आने के लिए कहने का कोई हक नहीं है।

सिनेमाघरों में घटती दर्शकों की संख्या पर राहुल ने कहा कि यह इस बात का सबूत है कि हम अपने काम में कितनी बुरी तरह फेल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सोचना बहुत बड़ी गलती है कि दर्शक फिल्म मेकिंग की टेक्निक नहीं जानते या वो बहुत भोले-भाले हैं। डिजिटलीकरण के बाद हर किसी के हाथ में कैमरा है।

भोजपुरी

अक्षय के डांस की मुरीद हुईं अक्षरा, शेयर किया वीडियो तो अभिनेता ने किया मजेदार जवाब

भोजपुरी फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार के साथ काम करने की इच्छा जताई है। अक्षय कुमार की जबरदस्त फैन फॉलोइंग है और कई कलाकार उनके साथ स्क्रीन शेयर करना चाहते हैं।

अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार के साथ भोजपुरी गाने पर डांस करने की ख्वाहिश जताई है। जिसका एक खास वीडियो अभिनेत्री ने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है। अक्षरा सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो की शुरुआत में वह अपने टैब पर अक्षय कुमार का मशहूर गाना 'टिप-टिप बरसा पानी' देखती नजर आ रही हैं। इसके बाद वह वीडियो में अक्षय कुमार से कहती हैं, 'प्रणाम अक्षय, मेरा नाम अक्षरा सिंह है और मैं भोजपुरी सिनेमा में काम करती हूं।' अक्षरा ने आगे कहा, 'मैं काफी समय से आपके हिंदी गाने देख रही हूं। आपने कई हिंदी गानों पर डांस किया है, अब थोड़ा भोजपुरी गानों पर भी हमारे साथ ठुमका लगाइए। आप बस दिन और समय बता दीजिए, मैं आ जाऊंगी।'

अक्षरा ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, 'भोजपुरी गाने पर ठुमका लगाने का एक चांस दे दें क्या, अक्षय कुमार?' अक्षरा सिंह का यह अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है। सोशल मीडिया क्रिएटर्स इस पर जमकर कमेंट कर रहे हैं। अक्षरा के इस वीडियो पर अक्षय कुमार ने रिप्लाई दिया है।

गर्मियों के ट्रेंड्स

मूल अमेरिकी और विंटेज शैली से प्रेरित गर्मियों के कपड़े कम बजट में भी सुकून देते हैं। आज ये कपड़े और ज्वेलरी ट्रेंड्स में है। इसकी शुरूआत 2009 से मानी जा रही है, जब यह ट्रेंड रनवे पर हर जगह छाया हुआ था। ऐसे में ज़ाहिर है कि जून और जुलाई के महीनों में भी यह स्टाइल में रहेगा। डिजाइनर और मॉडल इन कपड़ों की बारीक कारीगरी (डिटेलिंग) का ज़्यादा से ज़्यादा इस्तेमाल करना और उसे अपने रोजमर्रा के हल्के-फुल्के, सादे कपड़ों के साथ मिलाकर इस्तेमाल करना चाहते हैं।

गर्मी की छुट्टियों में जा रही हैं बीच पर, तो इन आउटफिट्स को अभी से रख लें सूटकेस में

समर वेकेशन चल रहे हैं और ऐसे में अधिकतर महिलाएं छुट्टियों में अपने दोस्तों या हस्बैंड के साथ ट्रिप प्लान करती हैं। अगर आप भी इस साल अपने हस्बैंड के साथ बीच पर जाना चाहती हैं और आउटफिट को लेकर परेशान हैं, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। यह खबर आपके लिए बेस्ट हो सकती है। आज हम आपको ऐसे ट्रेंडिंग और स्टाइलिश बीच लुक बताएंगे, जिन्हें ट्राई कर आप अपने हस्बैंड के सामने खूबसूरती का जलवा बिखेर सकती हैं।

स्टाइलिश बीच लुक

अगर आप अपने हस्बैंड को खुश करना चाहती हैं और अपने लुक को अट्रैक्टिव बनाना चाहती हैं, तो आप इस तरह के बीच लुक को भी ट्राई कर सकती हैं। इस खूबसूरत मल्टी कलर प्रिंटेड ड्रेस को पहनकर आप किसी हसीना से कम नहीं लगेंगी। इस तरह की ड्रेस आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह आसानी से मिल सकती है।

वन शोल्डर बिकनी टॉप और बॉटम अगर आप भी अपने बीच ट्रिप को यादगार बनाना चाहती हैं, तो अब आप इस खूबसूरत और क्लासी वन शोल्डर बिकनी टॉप और बॉटम बीच लुक को ट्राई कर सकती हैं। इस ड्रेस में आप बेहद खूबसूरत लगेंगी। यही नहीं आपके इस लुक को देखकर आपका हस्बैंड भी आपकी तारीफ करने पर मजबूर हो जाएगा। आप इस तरह की ड्रेस को ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं।

पिंक सॉलिड पीस स्विम कवर उप ड्रेस

यही नहीं आप अपने हस्बैंड के सामने अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेरने के लिए इस स्टाइलिश पिंक सॉलिड पीस स्विम कवर उप ड्रेस को भी ट्राई कर सकती हैं। यह आपके बीच लुक को गॉर्जियस बनाने में बहुत मदद करेगा। आप इसे ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं। इस ड्रेस में आपकी खूबसूरती देख आपका हस्बैंड खुश हो जाएगा।

चंदन आइस क्यूब से स्किन को मिल सकते हैं कई फायदे

गर्मी के मौसम में आपकी स्किन अतिरिक्त केयर मांगती है। बहुत अधिक धूप व तेज गर्मी की वजह से आपकी स्किन को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। जिसकी वजह से आप अपनी स्किन को ठंडक पहुंचाना चाहती हैं और इसके लिए चंदन का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। चंदन को आइस क्यूब की तरह स्किन केयर रूटीन में शामिल करके आप अपनी स्किन को काफी हद तक ठंडक पहुंचा सकती हैं। चंदन आइस क्यूब को बनाना काफी आसान होता है और साथ ही साथ इसे इस्तेमाल करना भी उतना ही आसान होता है। अगर आप बेहद कम समय में अपनी स्किन की केयर करना चाहती हैं तो ऐसे में चंदन आइस क्यूब को इस्तेमाल कर सकती हैं। चंदन आइस क्यूब रेडनेस को कम करने से लेकर से लेकर पोर्स को टाइट करने और चेहरे को एक फ्रेश ग्लो देने में मदद कर सकता है। साथ ही, आप इसे कई अलग-अलग तरीकों से अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में आरवीएमयूए एकेडमी की फाउंडर, सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट और स्किन केयर

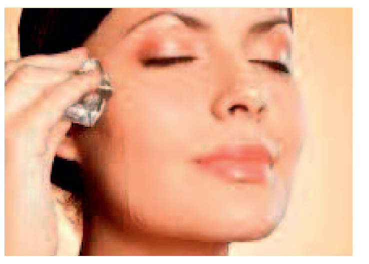

एक्सपर्ट रिया वशिष्ट आपको बता रही हैं कि आप चंदन आइस क्यूब को किस तरह अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल कर सकती हैं-

चंदन आइस क्यूब्स से स्किन को क्या फायदे मिलते हैं

चंदन आइस क्यूब आपकी स्किन को कई तरह से फायदा पहुंचाता है। चंदन में नेचुरल एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो गर्मी में जलन या सनबर्न से परेशान स्किन को ठंडक पहुंचाते हैं। आइस क्यूब के ठंडे असर के कारण यह सूजन को और भी तेजी से कम करता है। चंदन के एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं जो स्किन पर मौजूद बैक्टीरिया को खत्म करते हैं। आइस क्यूब लगाने से पोर्स भी टाइट होते हैं और सीबम कम बनता है। चंदन से स्किन की रंगत नेचुरल तरीके से सुधरती है। साथ ही, बर्फ की ठंडक से ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है, जिससे चेहरा हेल्दी और ग्लोइंग दिखता है। अगर आप डार्क सर्कल से परेशान है तो ऐसे में चंदन आइस क्यूब का इस्तेमाल करना अच्छा रहता है। चंदन आइस क्यूब्स को आंखों के नीचे लगाने से सूजन कम होती है और डार्क सर्कल धीरे-धीरे हल्के होने लगते हैं। गर्मियों और उमस वाले मौसम में चंदन आइस क्यूब्स ऑयल को बैलेंस में रखते हैं। यही वजह है कि ऑयली स्किन के लिए चंदन आइस क्यूब का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है।

चंदन आइस क्यूब कैसे बनाएं

दो चम्मच चंदन पाउडर, 1 चम्मच गुलाब जल, 1/2 कप फ़िल्टर्ड पानी व कुछ बूंदे विटामिन ई ऑयल को डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। तैयार मिश्रण को एक आइस क्यूब ट्रे में डालें। इसे करीबन 6-8 घंटे तक फ्रीजर में जमने दें।

कोकोनट मिल्क का ऐसे करें इस्तेमाल, चेहरे की रंगत में दिख सकता है असर

आप घर पर रहकर कोकोनट मिल्क का इस्तेमाल कर अपने चेहरे पर होने वाली परेशानी को कम कर सकती हैं।

ब्यूटी एक्सपर्ट की मानें राय

ब्यूटी एक्सपर्ट वर्षा ने बताया कि अपने चेहरे को ग्लोइंग और चमकदार बनाने के लिए अगर आप भी परेशान रहती हैं और बाजार के कई महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल भी कर चुकी हैं, तो अब आप कोकोनट से खास टोनर बना सकती हैं। इसके लिए आप एक स्प्रे बॉटल में कोकोनट मिल्क डाल दें। इसके बाद इसमें टी ट्री आयल मिलाकर इसे अच्छी तरह मिक्स कर दें। अब आप इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

कोकोनट का इस्तेमाल

यही नहीं आप कोकोनट का इस्तेमाल कर चेहरे के लिए फेस पैक भी तैयार करवा सकती हैं। इसे बनाने का तरीका भी बहुत आसान है। सबसे पहले आप एक कंटेनर में चावल का आटा निकाल लें। इसके बाद इसमें कोकोनट मिल्क एड कर दें। अब इन दोनों को अच्छी

तरह मिक्स करने के बाद आप इसमें थोड़ी हल्दी और शहद भी शामिल कर सकती हैं। इस मिश्रण को अच्छी तरह मिक्स करने के बाद आप इसे अपने चेहरे पर 30 मिनट के लिए लगा कर रख सकती हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

जब भी आप इस फेस पैक का इस्तेमाल करें, तो पहले अपने चेहरे को धो लें। उसके बाद ही इसका इस्तेमाल करें। क्योंकि चेहरे पर जमी गंदगी की वजह से स्किन प्रॉब्लम हो सकती हैं। आप इस फेस पैक को हफ्ते में 2 बार इस्तेमाल कर सकती हैं।

फेस शेप के अनुसार खरीदें इयररिंग्स, आपको मिलेगा एकदम परफेक्ट लुक

आपको शायद पता ना हो, लेकिन फेस शेप के अनुसार चुने गए सही इयररिंग्स आपके जॉलाइन को उभार सकते हैं, चेहरे की शार्पनेस को सॉफ्ट बना सकते हैं या आपके चेहरे को लंबा और स्लिम दिखा सकते हैं। आपको बता रहे हैं कि आप आपको अपने फेस शेप के अनुसार किस तरह के इयररिंग्स का चयन करना चाहिए-

राउंड फेस के लिए इयररिंग्स

अगर आपका फेस शेप राउंड है तो आपको ऐसे इयररिंग्स चुनने की कोशिश करनी चाहिए, जिससे आपका चेहरा लंबा और पतला दिखे। ऐसे चेहरे के लिए लंबे झुमके, टियरड्रॉप डिज़ाइन, वर्टिकल स्टाइल या फिर शार्प या ज्योमेट्रिक डिज़ाइन वाले इयररिंग्स आदि काफी अच्छे माने जाते हैं। चूंकि आपके चेहरे का शेप पहले से ही गोल है, इसलिए आपको राउंड हूप्स, गोल स्टड्स या फिर बहुत मोटे गोल झुमके पहनने से बचना चाहिए। इस तरह के इयररिंग्स आपके चेहरे को और भी मोटा व गोल दिखाएंगे। आप हमेशा ऐसे इयररिंग्स पहनिए, जो जॉलाइन से नीचे तक आते हैं,

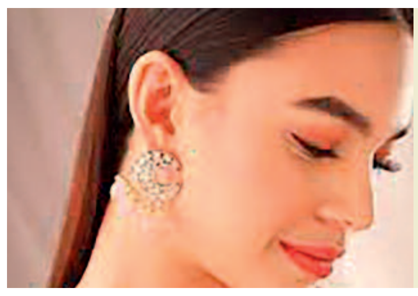

जिससे आपका चेहरा लंबा लगेगा।

ओवल फेस के लिए इयररिंग्स

ओवल फेस शेप की खासियत यह होती है कि इस पर अधिकतर इयररिंग्स अच्छे लगते हैं। इसलिए, आपको बहुत अधिक परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप स्टड्स से लेकर हूप्स, चांदबाली व टियरड्रॉप्स या झुमके आदि कुछ भी ट्राई कर सकती हैं। हालांकि, आप बहुत लंबे ईयररिंग्स पहनने से बचें, जो फेस को और लंबा दिखाएं।

कार्नर न्यूज

सिर्फ कॉटन ही नहीं दूसरे फैब्रिक भी हैं आपके लिए

आपकी त्वचा को चाहिए राहत तो अपनाएं स्किन फ्रेंडली फैब्रिक, एलर्जी से भी बचेंगे

सेंसेटिव स्किन की बात हो या त्वचा की एलर्जी, हर कोई बस सूती कपड़े पहनने की सलाह देता है। मगर क्या कॉटन के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है? सवाल एकदम सही है और इसका सटीक जवाब है- एक नहीं कई ऐसे फैब्रिक हैं जो स्किन फ्रेंडली हैं।खासकर, गर्मी के दिनों में सही फैब्रिक का चुनाव करना होता है। क्योंकि ऐसे मौसम में तेज धूप के कारण जलन, पसीना आदि समस्याएं होती हैं। इसलिए हमें त्वचा का खास ख्याल रखना होता है। अगर आप सही फैब्रिक वाले कपड़े नहीं पहनते हैं तो पसीने के कारण खुजली, त्वचा पर चकते या धब्बे,घमौरियों की दिक्कत और अधिक पसीना निकलने जैसी दिक्कतें होंगी। लेकिन केवल सूती ड्रेस पहनने से बात नहीं बनने वाली है। इसलिए, अगर आप कॉटन के कपड़ों के अलावा अन्य फैब्रिक से बने ड्रेस पहनना चाहते हैं तो यहां पर देखें-

सूती कपड़े हैं सुपर

गर्मी के दिनों में सबसे ज्यादा आरामदायक कॉटन को माना जाता है। हम लंबे समय से सूती कपड़े पहनते आ रहे हैं। इसकी खासियत है

कि यह शरीर के तापमान और बाहरी तापमान के बीच संतुलन बनाए रखता है। साथ ही यह पसीने सोखने, शरीर को ठंडक का अहसास कराने जैसेकाम करता है। जिन लोगों को त्वचा संबंधित एलर्जी होती है, उनको सूती कपड़े के ड्रेस पहनने की सलाह दी जाती है। गर्मी में त्वचा से संबंधित कोई समस्या नहीं है तो भी हमें ऐसे कपड़ों को पहनना चाहिए।

खादी के कपड़े

गर्मियों के लिए खादी भी एक बेहतर फैब्रिक मानी जाती है। पहले खादी अधेड़ उम्र के लोगों की पहचान मानी जाती थी। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से फैशन जगत में इस को लेकर काफी एक्सपेरिमेंट हुए हैं। यह हीट को बीट करने के लिए काफी अच्छा माना जाता है। आप चाहें तो ट्रेंड के अनुसार खादी से बनी ड्रेसेज पहन सकते हैं। अब आपको खादी के ड्रेस ऑनलाइन भी मिल जाएंगे। यह इको फ्रेंडली होने के साथ-साथ स्किन फ्रेंडली भी होता है।

विस्कोस फैब्रिक के कपड़े

विस्कोस फैब्रिक गर्मी के साथ-साथ सर्दियों के लिए अच्छा माना गया है। मगर आप इसको गर्मी में पहनें। क्योंकि यह पसीना आसानी से सोख लेता है, जिससे त्वचा को काफी राहत मिलती है। विस्कोस फैब्रिक के ड्रेसेज काफी ट्रेंडी माने जाते हैं।

लिनेन के कपड़े

लिनेन के कपड़े देखकर ही कितने हल्के और सुकून देने वाले मालूम होते हैं। मगर ये पहनने में भी उतने ही बेस्ट माने जाते हैं। जानकार बताते हैं, कि खादी और सिल्क को मिक्स करके इसे तैयार किया जाता है। हल्का होने के कारण ये पहनने के बाद बोझिल मालूम नहीं होता है। इसको पहनने पर पसीना भी बहुत कम निकलता है। अगर पसीना निकला भी तो जल्दी सूख

जाता है।

रेशमी कपड़े

सिल्क से बने कपड़े बहुत मुलायम , चमकदार और शाही होते हैं। मगर इन्हें केवल दिखावे के लिए नहीं पहना जाता है। सिल्क को पहनकर आप अपनी त्वचा को राहत भी दे सकते हैं। इसलिए लोग सिल्क को पहनना पसंद करते हैं। कई रिपोर्ट्स दावा करती हैं, सिल्क से बने कपड़े नमी या पसीना सोखने में सक्षम होते हैं। ये सिल्क की खूबी होती है। सिल्क का कपड़ा हाइपो-एलर्जेनिक होता है यानि इसे पहनने से एलर्जी नहीं होती है।